RNI NO. UPHIN/2012/46248

गाजियाबाद से प्रकाशित

सुविचार

‘कर्तव्य और कर्म जिसके साथ हैं बस समझो जीत उसके पास है..!’

अभी वार्ता

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● वर्ष 10 ● अंक 27 ● बुधवार 21 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 06 ● पेज मूल्य : 3 रुपए

दिल्ली कूच के लिए किसान जेसीबी-पोकलेन लाए, हरियाणा में चिंता; पंजाब के DGP ने दिए रोकने के आदेश

अंबाला सिटी (हरियाणा)। 21 फरवरी को दिल्ली कूच के लिए किसानों ने शंभू सीमा पर तैयारी कर ली हैं। मंगलवार को पंजाब की ओर से युवा किसान जेसीबी और पोकलेन मशीन लेकर पहुंच गए हैं। ट्रैक्टर मार्च के बीच में इन मशीनों को लाया गया, जिससे कोई रास्ते में रोक न सके।

वहीं हरियाणा के डीजीपी द्वारा पंजाब के डीजीपी को पत्र लिखने के बाद पंजाब के डीजीपी ने खनौरी और शंभू में पंजाब-हरियाणा सीमा की ओर जेसीबी, पोकलेन, टिपर, हाइड्रा और अन्य भारी मिट्टी हटाने वाले उपकरणों की आवाजाही को रोकने का आदेश दिया है।

डीजीपी पंजाब के निर्देशों पर किसानों को शंभू बॉर्डर की तरफ भारी वाहन और जेसीबी ले जाते समय रोकने के दौरान शंभू थाना के एसएचओ और एक अन्य अधिकारी जख्मी हो गए हैं। पटियाला शंभू थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर अमन पाल सिंह विर्क और मोहाली के एसपी जगविंदर सिंह चीमा जख्मी हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में दाखिल करवाया है।

अधिकारियों ने शंभू बॉर्डर से करीब 5 किलोमीटर पहले नाकाबंदी की हुई थी, जहां पर यह वाक्या हुआ है। थाना प्रभारी अमनपाल सिंह विर्क के घुटनों पर चोट आई है।

हरियाणा डीजीपी ने लिखा पत्र

इससे पहले डीजीपी हरियाणा ने पंजाब डीजीपी को पत्र लिखा था, इसमें किसान आंदोलन में पोकलेन मशीन और जेसीबी मशीनों को जब्त करने को कहा गया था।

बेरिगेड पर तैनात फोर्स की सुरक्षा का हवाला दिया गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री की किसान संगठनों से अपील, सुझावों के साथ वार्ता के लिए आगे आएं

नई दिल्ली। किसान आंदोलन के बीच केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि किसान नेताओं ने एमएसपी पर सरकार के प्रस्ताव को ही खारिज कर दिया है। मैं किसानों और किसान संगठनों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। साथ ही उन्होंने मुद्दों के समाधान के लिए चर्चा करने की बात की है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि हमें मुद्दे पर चर्चा करते रहना चाहिए, हम सभी शांति चाहते हैं और हम सबको मिलकर समस्या का समाधान निकालना है।

हमें समाधान के लिए चर्चा जारी रखनी होगी- अर्जुन मुंडा

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमारी सरकार की ओर से

चर्चा की कोशिशें की गई, कई प्रस्तावों पर भी चर्टा हुई। हमें बाद में पता चला कि किसान प्रस्ताव से खुश नहीं है। किसान संगठनों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमें समाधान के लिए चर्चा जारी रखनी होगी क्योंकि शांतिपूर्वक तरीके से हमें समाधान निकालना होगा।

सरकार के प्रस्तावों पर किसान संगठनों ने क्या कहा?

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) सहित आंदोलनकारी किसान संगठनों ने केंद्र द्वारा रखे गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

वार्ता का हिस्सा रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने सरकार की मंशा पर संदेह जताया है। डल्लेवाल ने सरकार को सभी 23 फसलों को कवर करते हुए एमएसपी के लिए एक व्यापक फॉमूर्ला तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

फर्जी नियुक्ति पत्र पर नौकरी ज्वाइन करने पहुंचे सचिवालय

शिमला। हिमाचल प्रदेश सचिवालय शिमला में क्लर्क और चपरासी की नौकरी के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करने का मामला सामने आया है। जिला कांगड़ा के दो युवक इन्हीं नियुक्ति पत्र के आधार पर सचिवालय में क्लर्क और चपरासी की नौकरी ज्वाइन करने पहुंच गए। सचिवालय के उप सचिव मनजीत बंसल ने नियुक्ति पत्रों की जांच की तो ये फर्जी निकले। उप सचिव ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। युवकों से पूछताछ के आधार पर छोटा शिमला थाना पुलिस ने नियुक्ति पत्र जारी करने वाले शिमला के कोटखाई के परीक्षित आजाद (28) को मंगलवार देर शाम

गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक जांच के मुताबिक नियुक्ति पत्रों पर सचिवालय के विशेष प्रशासन विभाग (एसएडी) के अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर थे। पुलिस के मुताबिक गत दिवस पालमपुर के पारस चपरासी और क्लर्क के लिए अजय नौकरी ज्वाइन करने सचिवालय पहुंचे थे। उन्होंने अधिकारियों को नियुक्ति पत्र

हिमाचल में बर्फबारी के बाद मुश्किलें; 263 सड़कें, 661 बिजली ट्रांसफार्मर ठप, दो की मौत

शिमला/ रोहतांग/कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के बाद लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मंगलवार शाम तक प्रदेश में दो नेशनल हाईवे सहित 263 सड़कों पर यातायात ठप रहा। करीब 661 बिजली के ट्रांसफार्मर भी बंद रहे। जिला मंडी के छह मील के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने से पहाड़ी के नीचे खोदाई का काम कर रही जेसीबी मशीन चालक सहित पत्थरों के नीचे दब गई। इससे चालक की मौत हो गई।

वहीं, चंबा में सोमवार देर रात

बारिश और धुंध के चलते गागला मार्ग पर बेकाबू होकर कार खाई में गिरने से एक कारोबारी चमन प्रकाश की मौत हो गई। बर्फबारी के बाद कुल्लू से लाहौल तक कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। औट-बंजार-सैंज और मनाली-केलांग व ग्रांफू-काजा हाईवे के साथ दोनों जिलों में 177 सड़कें ठप हैं। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में धूप खिली रही। ऊना में अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

भारी बर्फबारी से लाहौल घाटी का सड़क संपर्क देश-दुनिया से कट गया है। लाहौल-स्पीति जिला प्रशासन ने हिमखंड गिरने की आशंका भी जताई है। कई इलाकों में रविवार रात से बिजली भी गुल है। लाहौल-स्पीति में 301 और कुल्लू में 67 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं। चंबा में मूसलाधार बारिश से चांजू में एक मकान गिर गया। चंबा-तीसा मार्ग पर 12 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।

शिक्षा मंत्री ने बताया- 341 प्राथमिक विद्यालयों में सिर्फ एक ही कक्षा, शिक्षा विभाग में इतने पद खाली

अहमदाबाद। गुजरात में 341 सरकारी प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां सिर्फ एक ही कक्षा है। यह कहना है कि गुजरात सरकार का।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक किरीट पटेल के सवाल का लिखित उत्तर देते हुए शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा कि दिसंबर 2023 तक शिक्षा विभाग में प्रशासनिक अधिकारियों के 1,400 से अधिक पद खाली थे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में एक कक्षा होने का मुख्य कारण है जीर्ण-शीर्ण कक्षाओं का विध्वंस, छात्रों की कम उपस्थिति और नई कक्षाओं के निर्माण के लिए भूमि की

अनुपलब्धता।

विधानसभा में शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द नई कक्षाएं बनाई जाएंगी।

बिच्चों के पास बनाने के लिए स्कूलों को भेजनी होगी लिस्ट

शिमला। बच्चों के बस पास बनाने के लिए स्कूलों के पास लिस्ट भेजने का बुधवार को आखिरी दिन है।

इसके बाद एचआरटीसी स्कूलों के आवेदन स्वीकार नहीं करेगा।

निगम के अनुसार तीन स्कूलों ने अभी भी बस पास बनाने के लिए बसों और बच्चों की लिस्ट नहीं भेजी है। इन स्कूलों को एचआरटीसी ने मेल के जरिये आवेदन करने का अंतिम दिन दिया है। बुधवार को भी लिस्ट न भेजने पर इन स्कूलों के काउंटरों पर बस पास नहीं बनाए जाएंगे। बाकी स्कूलों के लिए जल्द काउंटर खोल दिए जाएंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम ने निजी स्कूलों के लिए 56 बसें चलाएगा।

बस पास बनाने के लिए संजौली और पुराने बस अड्डे में काउंटर खोले जाएंगे। बुधवार को स्कूलों की लिस्ट मिलने पर काउंटर खोलने की तिथि तय कर दी जाएगी। एचआरटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद शर्मा ने बताया कि चार स्कूलों ने बस पास बनाने के लिए आवेदन नहीं किया है।

संगठन और सरकार से नाराज पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी से मिलने घर पहुंचीं प्रतिभा सिंह, घंटे भर मंत्रणा

शिमला। कांग्रेस पार्टी संगठन व सरकार से नाराज चल रहे पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी को मनाने उनके निवास स्थान पर मंगलवार देर शाम को सांसद एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह स्वयं पहुंचीं।

उन्होंने करीब एक घंटे तक प्रकाश चौधरी के साथ मंत्रणा की और उनके दुख दर्द को साझा किया। उन्होंने प्रकाश चौधरी की नाराजगी को जायज ठहराया है। इसी के साथ शिमला पहुंचने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से भी इस बारे बात करने की बात कही है।

मंत्रणा के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए प्रतिभा सिंह ने पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी के साथ हुई मंत्रणा की जानकारी देते हुए बताया कि प्रकाश चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी से त्यागपत्र दिया है, इसकी जानकारी इन्हें मीडिया के माध्यम से मिली थी।

इसलिए वे बातचीत करने के

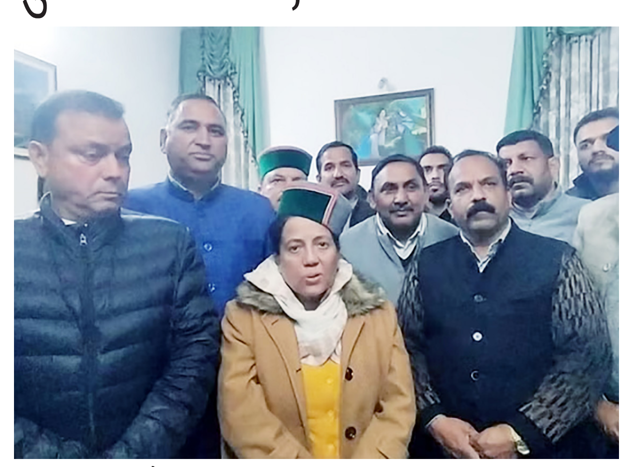

लिए यहां पहुंची हैं। बताया कि बल्ह विधानसभा क्षेत्र में सरकार के स्तर पर बहुत सी ऐसी कमियां रही हैं, जिससे यह आहत हुए हैं।

इस अवसर पर प्रकाश चौधरी ने कहा कि प्रतिभा सिंह से विस्तृत बातचीत हुई है और इन्हें पूरी उम्मीद है कि पार्टी मेरी नाराजगी पर गौर करेगी और पार्टी हित में सही फैसला लेगी। कहा कि मेरे लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बल्ह का कार्यकर्ता सबसे पहले है, जिनके दम पर मैं नेता बना हूं।

कहा कि कार्यकताओं ने पार्टी व सरकार को दो दिन का समय दिया है। यदि पार्टी कोई सही निर्णय नहीं लेती है तो बल्ह का कार्यकर्ता जो निर्णय लेगा मैं इनके साथ रहूंगा।

एक लाख युवाओं को रोजगार देने के मामले में गरमाया सदन, सीएम और नेता प्रतिपक्ष आमने-सामने

शिमला। बजट भाषण पर चर्चा के दौरान मंगलवार को सदन खूब गरमाया। विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन भाजपा विधायक त्रिलोक जम्वाल ने दन में आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने युवाओं को एक लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया, लेकिन आज बेरोजगार सड़कों पर हैं। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस का जो घोषणापत्र है, उसमें एक लाख युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाने की बात कही गई है।

भाजपा विधायकों की ओर से झूठ बोला जा रहा है।इस पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी की बात कही है। यह भी कहा गया कि पहली कैबिनेट में इसे पास कर दिया जाएगा। चिल्ला-चिल्लाकर

कहा गया और दीवारों पर लिखा गया। मुख्यमंत्री जी, आप यह कह सकते हैं - मेरे से यह नहीं पूछा गया, मैं बाद में आया हूं।

जयराम ने सदन में युवाओं के रोजगार से संबंधी एक पृष्ठ दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष एकदम गुस्से में आ जाते हैं। झट से खड़े हो जाते हैं। जैसे स्प्रिंग लगा हो। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष कागजों को सदन में रखकर रिकॉर्ड में लाएं। जिसने ये झूठे कागज भेजे हैं व वीडियो भेजा है, उस पर भी करवाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि ये कागज सदन में रखें। इस मामले की जांच होगी।

23 बिजली परियोजनाओं ने वाटर सेस के चुकाए 34.75 करोड़

हिमाचल प्रदेश में 23 बिजली परियोजनाओं ने वाटर सेस चुका दिया है। आयोग के पास 15 जनवरी तक वाटर सेस के तौर पर 34.75 करोड़ रुपये एकत्र हो गए हैं। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा के सवाल का जवाब देते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि जल विद्युत उत्पादन पर वाटर सेस के लिए राज्य आयोग की स्थापना की गई है। करीब 1.10 करोड़ रुपये का आयोग पर अभी तक व्यय हुआ है। इसमें से 70 लाख रुपये का वन टाइम व्यय कार्यालय भवन नवीनीकरण पर किया गया है। करीब 40 लाख रुपये की राशि अन्य मदों पर गत छह माह में व्यय हुई है। आयोग के अध्यक्ष के वेतन पर 6.93 लाख रुपये और तीन सदस्यों के वेतन पर 19.49 लाख रुपये व्यय हुए हैं। आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन पर 3.56 रुपये व्यय हुए हैं।

सार सुर्खिया

रोडरेज में दिल्ली कस्टम विभाग के सुपरिटेंडेंट की कार तोड़ी

कौशांबी। यूपीगेट फ्लाइओवर पर एनएच-9 के लिंक पर मंगलवार सुबह गाड़ी टच होने पर गुस्साए चालक ने दिल्ली कस्टम विभाग के सुपरिटेंडेंट की कार क्षतिग्रस्त कर दी। आरोपी ने उन पर भी डंडे से हमला करने का प्रयास किया। गाड़ी क्षतिग्रस्त करने पर आरोपी चालक कार लेकर भाग गया। पीड़ित ने कौशांबी थाने में कार नंबर के आधार पर शिकायत दी है।

नोएडा के इको विलेज में रहने वाले विजय कुमार दिल्ली कस्टम विभाग में सुपरिटेंडेंट हैं। वह सुबह गाड़ी से ड्यूटी जा रहे थे। एनएच-9 से यूपीगेट की तरफ उतरने वाले लिंकरोड पर उनकी गाड़ी दूसरे वाहन से टच हो गई। आरोप है कि इस बात से गुस्साए चालक ने डंडे से उनका साइड मिरर और बोनट तोड़ दिया। इसके बाद उन्हें धमकी देकर भाग गया। इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि मामले में शिकायत मिली है। कार नंबर के आधार पर युवक की पहचान कर उसे पकड़ा जाएगा।

कड़कड़ मॉडल अंडरपास का प्रधानमंत्री 26 फरवरी को करेंगे शिलान्यास

साहिबाबाद। गाजियाबाद और दिल्ली के बीच में आने वाले कड़कड़ मॉडल रेलवे फाटक से वाहन चालकों को होने वाली परेशानियों से जल्द राहत मिलने वाली है। 26 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अंडरपास की नींव रखेंगे। इस दौरान रेल मंत्री समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

कड़कड़ मॉडल रेलवे फाटक से रोजाना हजारों वाहन चालकों की दिल्ली-गाजियाबाद के लिए आवाजाही होती है। रेलवे फाटक बंद होने पर दोनों तरफ जाम की स्थिति बन जाती है जबकि फाटक से रोजाना सैकड़ों ट्रेन की आवाजाही होती है। एक ट्रेन के जाने के दौरान फाटक बंद होने से वाहन चालकों को 5 से 8 मिनट तक रुकना पड़ता है। स्थानीय निवासी अरुण तोमर ने बताया कि रेलवे फाटक के पास अंडरपास बनवाने के लिए रेलमंत्री, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित अन्य अधिकारियों से शिकायत की गई थी। अंडरपास बनने से हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। जिससे लोग अपने कार्यालय समय से पहुंचेंगे और जाम की स्थिति नहीं बनेगी। साहिबाबाद स्टेशन अधीक्षक वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडेंगे। इससे पहले रेलवे मंत्रालय की तरफ से आगामी दिनों में प्रेसवार्ता की जाएगी।

कैब चालक को पिस्टल के बल पर लूटने वाला घायल

इंदिरापुरम। कोतवाली क्षेत्र में 13 फरवरी को कैब चालक अमर सिंह को हथियार के बल पर फोन और नकदी लूटने के आरोपी गणेश को पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद वैशाली 5-6 की पुलिया पर तमंचा बरामद करने के दौरान उसने झाड़ियों से तमंचा उठाकर पुलिस की तरफ फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में टीम ने उसके पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। आरोपी से टीम ने तमंचा, बाइक, दो हजार रुपये और चालक का फोन बरामद किया है।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि गणेश पुत्र निरोत्तम सिंह निवासी ग्राम घडोली जीडी कालोनी मयूर विहार दिल्ली को रात डेढ़ करीब बजे करीब प्रहलादगढ़ी से गिरफ्तार किया था। चालक को लूटने वाले गिरोह की तलाश में जुटी चार टीमों ने आरोपी गणेश से काफी देर पूछताछ की जिसमें उसने अपने दो साथी रवि शर्मा और सचिन गौतम निवासी मयूर विहार दिल्ली के बारे में बताया। दोनों को विजयनगर पुलिस दो दिन पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एसीपी के मुताबिक, आरोपी गणेश रात में सड़क किनारे पैदल राहगीर को लूटने की फिराक में था। पूछताछ में उससे कैब चालक से लूट की घटना में इस्तेमाल हथियार के बारे में पूछा तो उसने घटनास्थल की तरफ जाने के लिए कहा। गणेश पर लूट और मारपीट के छह मुकदमें जबकि दिल्ली में दो मुकदमें दर्ज हैं।

जमीन अधिग्रहण के मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए जीडीए अधिकारी

गाजियाबाद। इंदिरापुरम में 4.0702 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण के मामले में बीते सोमवार को जीडीए अधिकारी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। जीडीए उपाध्यक्ष की ओर से इस प्रकरण में जवाब दाखिल किया गया। इसके बाद कोर्ट ने पूर्व में जारी स्थनग आदेश को निरस्त कर दिया। अब जीडीए के लिए इस जमीन पर कब्जा पाने का रास्ता साफ हो गया है।

जीडीए ने पूर्व में इंदिरापुरम में जमीन का अधिग्रहण किया था। इस मामले में सुधा भल्ला नाम की महिला की ओर से वर्ष 2017 में याचिका दाखिल कर 2014 में लागू हुए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुसार प्रतिकर दिलाए जाने की मांग की थी। जीडीए ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की थी। इस मामले में हाईकोर्ट की ओर से स्थगन आदेश जारी किए जा चुके थे, जिसकी वजह से जीडीए इस प्रकरण का निस्तारण नहीं कर सका। प्रतिकर न मिलने के कारण याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल कर दी गई थी। पांच फरवरी को कोर्ट ने आदेश जारी कर दो सप्ताह में जीडीए उपाध्यक्ष को जवाब दाखिल करने के आदेश दिए थे। बीते सोमवार को जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह समेत प्राधिकरण के अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और जवाब दाखिल किया। जीडीए सचिव का कहना है कि न्यायालय ने स्थगन आदेश निरस्त कर दिया है। अब इस मामले में अधिग्रहण की बकाया प्रक्रिया पूरी कराकर भूमि पर कब्जा लिया जा सकेगा। उनका कहना है कि जीडीए की ओर से जमीन के प्रतिकर की राशि पहले से ही तय कर दी गई थी। उनका कहना है कि जल्द ही उच्चतम न्यायालय के आदेश की प्रति मिल जाएगी, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

किसान कोटे के प्लॉट की रजिस्ट्री कराने पर सहमत हुए वेव सिटी के अधिकारी

गाजियाबाद। वेव सिटी के दूसरे चरण की डीपीआर स्वीकृति का रास्ता साफ हो जाने के बाद अब किसानों को उनके कोटे के आठ फीसदी विकसित जमीन भी मिलने की उम्मीद जगी है। मंगलवार को किसानों और वेव सिटी के पदाधिकारियों के बीच वेव सिटी थाने में बैठक हुई। पुलिस की मौजूदगी में हुई इस बैठक में किसान कोटे के प्लॉटों की रजिस्ट्री डीपीआर स्वीकृत हो जाने के बाद शुरू कराने पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही भूमिहीन किसानों को भी प्लॉट की रजिस्ट्री कराने पर भी दोनों पक्षों में सहमति बनी।

मंगलवार दोपहर किसान नेता इंद्र नागर, विजय नागर, बिट्टू नागर, गुलाब सिंह, चमन सिंह वेव सिटी थाने पहुंचे थे। वेव सिटी के महाप्रबंधक भू-अर्जन दीपक पाठक भी बैठक में शामिल हुए। वेव सिटी थाना प्रभारी की मौजूदगी में हुई बैठक में किसानों ने उनके कोटे के आठ फीसदी विकसित प्लॉट की रजिस्ट्री कराए जाने और पूर्व समझौते के मुताबिक भूमिहीन किसानों को प्लॉट दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसान कोटे के प्लॉटों की रजिस्ट्री जल्द से जल्द शुरू कराई जाए। वेव सिटी के महाप्रबंधक दीपक पाठक ने बताया कि प्रोजेक्ट के दूसरे चरण की डीपीआर स्वीकृत होने का रास्ता साफ हो गया है। डीपीआर स्वीकृत होने के एक महीने बाद किसान कोटे की रजिस्ट्री शुरू करा दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि भूमिहीन किसानों की सूची के सत्यापन की प्रक्रिया दादरी तहसील से की जा रही है। सत्यापन होकर लिस्ट मिल जाने के बाद इनकी भी रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू करा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वेव सिटी प्रबंधन किसानों के समझौते की सभी शर्तों को पूरा करा रहा है।

आधार व पैन कार्ड का दुरुपयोग कर ले लिया 10 लाख का ऋण

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम के मोरटा के रहने वाले संदीप कुमार आधार कार्ड और पैन कार्ड का दुरुपयोग कर शातिर ने अलग-अलग लोन एप से करीब 10 लाख का ऋण ले लिया। इतना ही नहीं शातिर ने किसी कामगार को किस्तों पर बाइक दिलाने का झांसा देकर उनके नाम से बाइक भी फाइनेंस करा ली। संदीप ने बैंक में सिविल स्कोर दिखवाया तो उन्हें इस फजीवाड़े का पता चला।

संदीप कुमार ने बताया कि राजनगर में उनका कपड़ों का व्यापार है। उन्होंने ऋण लेने के लिए बैंक में अपना सिविल स्कोर दिखवाया तो पता चला कि उनका सिविल स्कोर से खराब है। जानकारी निकलवाने पर पता चला कि किसी ने उनके दस्तावेजों पर अलग-अलग एप के जरिये ऑनलाइन करीब 10 लाख का ऋण ले लिया और एक उनका नाम के व्यक्ति को बाइक भी किस्तों पर दिलवा दी।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

गाजियाबाद। प्रत्येक प्रथम और तृतीय शनिवार को मनाये जाने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन मंगलवार को जिलाधिकारी के नेतृत्व में गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में किया गया। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में, एडीएम ई रणविजय सिंह की अध्यक्षता में सदर तहसील में व एडीएम एफआर सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में लोनी तहसील में, इस मौके पर तहसीलों के एसडीएम व तहसीलदारों की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ।

सदर तहसील में कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। लोनी तहसील में कुल 72 शिकायतें प्राप्त हुआ जिनमें से मौके पर कुल 04 शिकायतों का निस्तारण किया। मोदीनगर तहसील में कुल 64 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से मौके पर 04 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, समयांतराल समाधान किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि विभागीय कार्य ऐसे होने चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को शिकायतकर्ता बनने की आवश्यकता ना पड़े। जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं से कहा कि यदि दिये गए समय में आपकी शिकायतों का समाधान नहीं होता हैं तो आप प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से 12 बजे अपराह्न तक कलेक्ट्रेट स्थिति जिलाधिकारी कार्यालय में शिकायत के साथ मिल सकते हैं। हमारी प्राथमिकता हैं हर परिवार–हर व्यक्ति सुखी से रहें, हर पात्र लाभार्थी को योजनाओं का लाभ मिलें। इस मौके पर जिलाधिकारी ने श्रम विभाग द्वारा निर्माण कामगार 05 श्रमकों को धनराशि वितरित की, जिसमें लाभार्थी पुनीता, कपिल, पायल को मातृत्व शिशु बालिका मद्द योजना के तहत 25–25 हजार धनराशि के चैक वितरित किए गये और बरीशा बेगम और ममता को मृत्यु एवं विकलांगता सहायता योजना के तहत 02–02 लाख के चैक वितरित किए गये।

मोदीनगर तहसील में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.भवतोष शंखधर, जिला विकास अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तवा, एसडीएम मोदीनगर पूजा गुप्ता, एसडीएम न्यायिक राजेन्द्र कुमार शुक्ला सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

यमुना में नहाने गए चार छात्र डूबे, तीन के शव बरामद

लोनी/नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के चौहान पट्टी इलाके में मंगलवार शाम यमुना में नहाने गए ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के रामपार्क कॉलोनी निवासी आदित्य रावत (16), शिवम यादव (17) और रमन सिंह (16) डूब गए। इनके साथ मौजूद पांचवें दोस्त ने शोर मचाया तो स्थानीय लोग वहां पहुंचे। बाद में पुलिस के अलावा दमकल विभाग और बोट क्लब को हादसे की सूचना दी गई। खबर मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गया। काफी मशक्कत के बाद रात पौने नौ बजे तक तीन के शव यमुना से निकल लिए गए थे। चौथे छात्र उदय आर्य (16) की बचाव दल को तलाश है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उदय आर्य की तलाश में बुधवार सुबह एक बार फिर बचाव अभियान शुरू किया जाएगा। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही सभी छात्रों के परिजन घटना स्थल पर पहुंच गए। इनका रो-रोकर बुरा हाल था। सभी छात्र दसवीं कक्षा के छात्र थे। बुधवार को इनका बोर्ड का एग्जाम था।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब 5.46 बजे टीम को सूचना मिली कि लाठीपुर गांव में चौहान पट्टी की ठोकर नंबर-8 के पास यमुना में नहाने आए चार छात्र गहरे पानी में डूब गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल विभाग और बोट क्लब की टीम मौके पर पहुंच गई। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। काफी मशक्कत के बाद आदित्य रावत, शिवम यादव और रमन सिंह के शव यमुना से निकाल लिए गए। छानबीन के दौरान पता चला कि शाम के समय पांचों दोस्त यमुना में नहाने आए थे। चार दोस्त नहाने लगे, जबकि पांचवां बाहर बैठकर उनको देखने लगा। इस दौरान गहरे पानी में जाने से चारों डूबने लगे तो बाहर बैठे छात्र ने शोर मचाया। इस पर आसपास मौजूद लोग मौके पर आ गए। बाद में इनकी तलाश शुरू हुई।

इकलौता बेटा था रमन

रमन के पिता राजेश कुमार ड्राइवर हैं। रमन इकलौता बेटा था। राजेश ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे रमन अपने दोस्त के घर पढ़ाई के लिए जाने की बात कहकर घर से निकता था। मूलरूप से आजमगढ़ के रहने वाले शिव यादव के पिता सुरेश यादव मजदूरी करते हैं। आदित्य रावत के पिता रवि रावत ट्रॉनिका सिटी स्थित एक फैक्टरी में काम करते हैं। वहीं, उदय आर्य के पिता राधेश्याम प्राइवेट नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि उदय दोस्त के घर जाने की बात कह कर निकला था। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर चारों किशोरों के परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की।

आदित्य ने बनाई थी यमुना में नहाने की योजना

एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि डूबे छात्रों का एक साथी करन पुलिस को मिला, उसने बताया कि आदित्य ने सुबह उसे कॉल कर ट्रॉनिका सिटी जाकर घूमने और यमुना में नहाने की बात कही थी। ठोकर नंबर आठ पर यमुना के पास छात्रों के कपड़े, जूते और फोन मिले। घटनास्थल दिल्ली का था।

आईआईटी रुड़की से मिलेगा स्टेशन का नक्शा, मार्च में शुरू होगा काम

गाजियाबाद। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म व भवनों को जोड़ने के लिए कॉनकोर्स का नक्शा आईआईटी रुड़की और दिल्ली की टीम तैयार कर रही है। दो माह से दोनों टीम इसको अंतिम रूप देने में लगी हैं। उन्होंने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन का इसके लिए दो बार भौतिक सर्वे भी किया है। प्लेटफार्म से प्लेटफार्म की दूरी को ध्यान में रखते हुए कॉनकोर्स का नक्शा बनाया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, अगले एक सप्ताह में डिजाइन मिलने के बाद मार्च के शुरूआत में इसपर काम शुरू कर दिया जाएगा। फिलहाल इलेक्ट्रिक सब सबस्टेशन के स्थानांतरण के लिए नए भवन में ट्रांसफार्मर आ गए हैं, ताकि विद्युत आपूर्ति का काम प्रभावित न हो। इसके अलावा शहर और विजयनगर की तरफ फाउंडेशन का काम पूरा होने के बाद भवन निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया है।

नॉर्दर्न रेलवे के प्रवक्ता दीपक कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य को तय समय-सीमा में पूरा कराने का प्रयास है। आईआईटी के टीम लीडर से इस संबंध में बात हुई है। नक्शा मिलने के तुरंत बाद ही काम शुरू करा दिया जाएगा।

364 करोड़ की आएगी लागत : अमृत भारत योजना के तहत गाजियाबाद रेलवे स्टेशन का कायाकल्प 364 करोड़ से होगा।

कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा समेत 21 पर मकान कब्जाने का मुकदमा

साहिबाबाद। सूर्यनगर की पुष्पा शर्मा ने लिंकरोड थाने में कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा समेत 21 लोगों पर उनके मकान पर कब्जा करने और गार्ड को हथियार दिखाकर डराने-धमकाने का मुकदमा कराया है। उनका आरोप है कि डॉली और अपने बेटे को वह संपत्ति से बेदखल कर चुकी हैं, लेकिन अब कोर्ट के आदेश को नहीं माना जा रहा है।

उन्होंने पुलिस को शिकायत दी कि उनकी पुत्रवधू और डॉली शर्मा सूर्यनगर में मकान पर कब्जा करना चाहती है। वह कुछ दिनों पहले कब्जा करने की धमकी देकर गई थीं। 9 फरवरी की रात साढ़े आठ बजे 15-20 लोगों को लेकर घर पहुंचीं और गार्ड को हथियार दिखाकर डरा-धमका दिया। उसके बाद चाबी छीनकर गन प्वाइंट पर मकान में घुस गईं। आरोप है कि उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

किसानों के आह्वान पर पुलिस अलर्ट, एनएच-9 पर लगा जाम

साहिबाबाद। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आज 21 फरवरी को डीएम दफ्तर और एनडीए सांसदों के क्षेत्र में प्रदर्शन करने के एलान से पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। मंगलवार को यूपीगेट और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 व दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर पुलिस बल तैनात रहा। इस बीच हाईवे पर सुबह से दोपहर तक वाहनों के बीच जाम की स्थिति रही। दिनभर में अधिकारी किसान संगठनों की गतिविधियों की जानकारी लेने में जुटे रहे। वहीं, खुफिया विभाग और लोकल इंटेलिजेंस के अधिकारी किसान और उनके इलाकों पर नजर बनाए हुए हैं।

यूपीगेट पर किसानों के आने की संभावना पर पिछले दस दिनों से दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बार्डर पर बैरिकेडिंग की हुई है।

भारतीय किसान यूनियन से जुड़े कुछ किसान यूपीगेट पहुंच गए। उन्हें पुलिस बल ने हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। मगर अब किसानों के तेवर देखकर पुलिस अधिकारी अलर्ट हो गए हैं। पुलिस कमिश्नर से लेकर तमाम अधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले चुके हैं।

मंगलवार को भी दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे व एनएच-9 पर बैरिकेड से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ी रही। मंगलवार सुबह वाहनों का जाम लगने से लोगों को दिल्ली जाने में दिक्कत हुई। पीक समय में चालक और अन्य लोगों के बीच जाम में तीखी नोकझोंक भी हुई, लेकिन वाहनों की गति बढ़ने से चालक आगे बढ़ गए और विवाद ज्यादा नहीं हुआ।

दिल्ली यातायात पुलिस के जवानों ने जाम खुलवाकर लोगों को राहत दी। हालांकि, जाम की यह स्थिति दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तक रही। इसके बाद वाहनों की संख्या कम होने से स्थिति सामान्य हुई।

पीजीआई में भर्ती 10 कामगारों को छुट्टी, अन्य की हालत में भी सुधार

शिमला। औद्योगिक क्षेत्र बद्दी की एक दवा फैक्टरी में केमिकल लीक होने के बाद काठा अस्पताल में भर्ती महिला कामगार अब स्वस्थ हैं। दूसरी ओर पीजीआई में भी भर्ती सभी 10 कामगारों को छुट्टी दे दी गई है। सोमवार को फैक्टरी में केमिकल ड्रम को तीसरी मंजिल पर पहुंचाते समय यह हादसा हो गया। काठा अस्पताल में भर्ती महिला कामगार तबस्सुम ने बताया कि वह यूपी के शहबाद की रहने वाली हैं।

11:00 बजे तीसरी मंजिल में पैकिंग कर रही थी। दो कामगार केमिकल का ड्रम लेकर आए और जब वह उसे जमीन पर रखने लगे तो वह उनके पास से गिर गया। पूरा केमिकल फर्श पर बिखर गया।

धुआं उठा और उसकी गैस से चक्कर आने लगे। इस पर फैक्टरी का निचली मंजिल में ले गया। वहां पर वह और उसकी कई साथी चक्कर आने के बाद गिरने लगीं।

उत्तराखंड के किछा गांव की सनोवर ने बताया कि वह दो साल से इस फैक्टरी में काम कर रही हैं लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है। ड्रम से तरल पदार्थ गिरते बदबू से चक्कर आना लगा। वह गिर गई। काठा अस्पताल लाया गया। पहले से सुधार है।

उत्तर प्रदेश के नगीना की रहने नाजिरा ने कहा कि वह फैक्टरी में काम करते समय वह बेहोश हो गई थीं, जिसके बाद उसे कुछ पता नहीं चला। उसे काठा अस्पताल लाया गया। यहां पर उपचार के बाद हालत में सुधार है।

साढ़े तीन साल से बिना वीजा पर रह रही विदेशी महिला गिरफ्तार

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन पुलिस ने भारत माता चौक पर एक बिल्डिंग के फ्लैट में चल रहे देह व्यापार पर छापे की कार्रवाई के दौरान किर्गिस्तान की मारिया फेडरोवा को पकड़ा है। वह 20 जुलाई 2020 से वीजा खत्म होने के बावजूद दिल्ली और शालीमार गार्डन में रह रही थी। पुलिस के साथ खुफिया विभाग और लोकल इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने पूछताछ शुरू कर दी है। शालीमार गार्डन थाने में उपनिरीक्षक ने विदेशी अधिनियम के तहत नामजद मुकदमा कराया है।

एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मंगलवार सुबह टीम को एक फ्लैट में देह व्यापार होने की सूचना मिली थी। थाने का पुलिस बल मौके पर पहुंचा तो संचालिका और एक युवती के अलावा विदेशी महिला भी मिली। अधिकारियों को तुरंत उन पर शक हो गया। विदेशी महिला को तुरंत थाने लाकर पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम मारिया फेडरोवा पुत्री व्लादिमीर निवासी किर्गिस्तान बताया। टीम ने उनसे तत्काल पासपोर्ट और वीजा मांगा। पूछताछ में उन्होंने बताया कि पासपोर्ट की वैधता 9 अप्रैल 2024 तक है जो दिल्ली स्थित किराये के फ्लैट में रखा था जबकि भारत में घूमने के लिए उन्हें वीजा 24 जुलाई 2019 को 365 दिन के लिए जारी हुआ था जो 23 जुलाई 2020 को खत्म हो गया। टीम ने दोनों कागजात की प्रतिलिपि कब्जे में ले ली। एसीपी के मुताबिक, पूछताछ में उन्होंने यह बताया कि वह शालीमार गार्डन में घूमने के लिए आई थी। अब खुफिया विभाग के अधिकारी उनके शालीमार गार्डन और दिल्ली में बिना वीजा के रहने के उद्देश्य का पता कर रहे हैं। मामले की जानकारी विदेश मंत्रालय और अन्य विभागों को भी दी गई है।

डीसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि उपनिरीक्षक निर्देश कुमार ने विदेशी अधिनियम के तहत मुकदमा कराया है। टीम हर एंगल से जांच कर रही है। जिस फ्लैट से महिला को पकड़ा है। वहां लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं।

सीएम सुक्खू बोले- भविष्य में जरूरत पड़ने पर कोविड स्टाफ की लेंगे सेवाएं

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भविष्य में अनुभवी कोविड स्टाफ की जरूरत पड़ने पर सेवाएं ली जाएंगी। कोरोना काल में रखे कर्मचारियों को नौकरी में वरीयता दी जाएगी। मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी विभागों में जितने भी कर्मचारियों की नियुक्ति की जाती है, वह नियमों के तहत होती है। कोरोनाकाल में जो नियुक्तियां हुईं थीं, उसके लिए कोई नियम नहीं बने थे।

पूर्व सरकार ने अगर नियम बनाए होते तो हम उन्हें नहीं हटाते। उन्होंने कहा कि बावजूद इसके सरकार ने मानवीय आधार पर इन्हें कई बार सेवा विस्तार दिया। उन्होंने कहा कि इनका मानदेय भी जारी किया गया है और इनकी 3.50 करोड़ रुपये की देनदारी लंबित है। इसे भी जल्द जारी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के विधायक इस मामले पर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं।

भाजपा विधायक राकेश जम्बाल ने मामला उठाते हुए कहा कि कोरोना काल के दौरान विकट परिस्थितियों में सेवाएं देने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों को सरकार ने नौकरी से हटा दिया है। उन्होंने कहा कि महामारी के समय भर्ती करने के लिए नियम बनाने का समय नहीं था। 14 माह की कांग्रेस सरकार ने नियम भी नहीं बनाए। उन्होंने इन कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने की मांग की। नेता विपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यह सदन की गरिमा का सवाल है कि सरकार आश्वासन देती है और होता कुछ नहीं है।

कोरोना काल में रखे गए कर्मचारियों ने जान जोखिम में डालकर दूसरों का जीवन बचाया। जयराम ठाकुर ने कहा कि इन कर्मचारियों की सेवाएं किसी अन्य स्थान पर ली जानी चाहिए।

ऑक्सीजन प्लांट से हटाए कर्मी दोबारा नौकरी पर रखे : शांडिल

भाजपा विधायक राकेश जम्बाल ने सुंदरनगर अस्पताल में व्याप्त अनियमितताओं का मामला उठाया। उन्होंने अमर उजाला में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए कहा कि ऑक्सीजन लांट एक साल से बंद है।

जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सुंदरनगर के ऑक्सीजन प्लांट बंद होने के मामले को वह देखेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि ऑक्सीजन प्लांट से जो कर्मचारी हटाए गए थे, उन्हें फिर से रखने के आदेश दे दिए गए हैं।

थर्ड पार्टी ऑडिट से दूर की जा रहीं साइबर सुरक्षा खामियां

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया है कि डिजिटल प्रौद्योगिकी और गर्वनेंस विभाग ने विभिन्न विभागों, निगमों और बोर्डों की 200 वेबसाइट को साइबर सुरक्षा ऑडिट के ही राज्य डाटा सेंटर में होस्ट किया है।

थर्ड पार्टी ऑडिट के माध्यम से साइबर सुरक्षा खामियां दूर की जा रही हैं। विधायक आशीष शर्मा के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य डाटा सेंटर में होस्टिंग से पहले सभी विभागीय वेबसाइटों का साइबर सुरक्षा आडिट अनिवार्य है।

सेहत/स्वास्थ्य

चाय और कॉफी नहीं, गर्मियों में करें इन हेल्दी ड्रिंक्स का सेवन, रहेंगे सेहतमंद

चाय और कॉफी के अलावा भी बहुत सी हेल्दी ड्रिंक्स हैं, जिनका गर्मियों में बिना किसी परेशानी के सेवन किया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि ये सभी ड्रिंक्स चाय और कॉफी की तरह स्वादिष्ट हैं और शरीर को ऊर्जा देने और मूड को बेहतर बनाने का काम करती हैं।

हम सभी अपने दिन की शुरूआत चाय या कॉफी से करते हैं। शायद ही कोई होगा, जिसे ये स्वादिष्ट ड्रिंक पसंद नहीं होगी। चाय और कॉफी लगभग सभी की पसंदीदा है क्योंकि ये शरीर को दिनभर काम करने की ऊर्जा देती है। इसी के साथ ये थकान को मिनटों में दूर कर देती है और मूड को भी अच्छा करने का काम करती है। लेकिन गर्मियों के मौसम में चाय और कॉफी का ज्यादा सेवन करने से सेहत को फायदे कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। गर्मियों में कैफीन का ज्यादा सेवन घबराहट और बेचैनी का कारण बनता है। इसलिए इस मौसम में चाय और कॉफी का सेवन कम करने की सलाह दी जाती है।

चाय और कॉफी के अलावा भी बहुत सी हेल्दी ड्रिंक्स हैं, जिनका गर्मियों में बिना किसी परेशानी के सेवन किया जा सकता है। अच्छी बात यह है कि ये सभी ड्रिंक्स चाय और कॉफी की तरह स्वादिष्ट हैं और शरीर को ऊर्जा देने और मूड को बेहतर बनाने का काम करती हैं। चलिए इनके बारे में जानते हैं-

दालचीनी और शहद का पानी

दालचीनी और शहद, दोनों ही सेहत को फायदा देने वाले पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इसलिए एक्सपट्र्स इन दोनों को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। दालचीनी को उबाल लें और इस पानी में शहद मिलाकर पीएं। ऐसा करने से गैस और पेट फूलने की समस्या से राहत मिलेगी। इसके अलावा इन दोनों के एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण प्रतिरक्षा को मजबूत करने, बीमारी से बचाने और सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं।

नींबू पानी

गर्मियों के मौसम में नींबू पानी का सबसे ज्यादा सेवन किया जाता है। ये चाय और कॉफी का अच्छा और सस्ता विकप्ल है। नींबू पानी का सेवन करने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और वजन कम करने में भी ये मदद करता है। नींबू पानी गर्मियों में आपको तरोताजा रखने में भी मदद करेगा।

गर्मियों के मौसम में नींबू पानी का सबसे ज्यादा सेवन किया जाता है। ये चाय और कॉफी का अच्छा और सस्ता विकप्ल है। नींबू पानी का सेवन करने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और वजन कम करने में भी ये मदद करता है। नींबू पानी गर्मियों में आपको तरोताजा रखने में भी मदद करेगा।

नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है, जो गर्मियों में खोए हुए पोषक तत्वों की भरपाई करने में सहायता करते हैं। नारियल पानी में कैलोरी, वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम होती है और गर्मियों में ये आपको हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है।

डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

फिटनेस मंत्रा

डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

पाचन क्रिया को दुरुस्त करने के लिए बेहद फायदेमंद हैं, यह 8 सुपरफूड्स

दिव्यांशी भदौरिया

अगर खाना खाने के बाद भी आपका पेट फूला रहता है तो इसका मतलब है कि आपका पाचन तंत्र कमजोर है। अपच की समास्या को नजरअंदाज न करें, क्योंकि इससे आपको पेट में ऐठन, गैस और मतली जैसी समास्या उत्पन्न हो सकती है। इनसे बचने के लिए अपने खाने में इन 8 सुपरफूड्स को जरुर शामिल करें।

भाग-दौड़ भरी दिनचर्या से अपने सेहत का ध्यान बिलकुल नहीं रख पाते हैं। गलत खाने की आदतें और बाहर का जंक फूड खाने से पेट संबंधित समास्याएं होती रहती है। पाचन से संबंधित समास्याएं उनको होती है, जो खाने-पीने का ध्यान नहीं रखते। एक सुस्त जीवनशैली की व्यतीत करते हैं। अपच की समास्या से आपके पेट में ऐठन, गैस और मतली जैसी समास्या उत्पन्न हो सकती है। इन सभी से बचने के लिए अपने खाने में इन 8 सुपरफूड्स को जरुर शामिल करें।

उपयोग की गयी गाड़ी की कीमत । रींशू अरि

दही

दही पाचन क्रिया को बेहतर करता है। दही आंत में लाभकारी बैक्टीरिया को भरता है, वनस्पतियां गट हेल्थ के स्वस्थ संतुलन को बढ़ावा देती है और पाचन में सहायता करता है।

दही पाचन क्रिया को बेहतर करता है। दही आंत में लाभकारी बैक्टीरिया को भरता है, वनस्पतियां गट हेल्थ के स्वस्थ संतुलन को बढ़ावा देती है और पाचन में सहायता करता है।

केला

फाइबर और पोटेशियम से भरपूर, केला मल त्याग को नियमित करने और सुचारू पाचन को बढ़ावा देने में मदद करता है। यह पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है।

अदरक

अदरक को एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है, अदरक पाचन क्रिया को शांत करने में कारगर है। यह मतली को कम कर सकता है और पाचन में सहायता कर सकता है।

साबुत अनाज

ओट्स , क्विनोआ और ब्राउन चावल जैसे साबुत अनाज में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो मल में मात्रा जोड़ता है और कब्ज को रोकने में मदद करता है।

किम्ची

गोभी और अन्य सब्जियों से बना एक किम्ची कोरियाई व्यंजन है। किम्ची, प्रोबायोटिक्स और एंजाइमों से भरपूर है जो आंत के स्वास्थ्य का समर्थन करता है और पाचन में सहायता करता है।

एवाकाडो

हेल्दी फैट्स और फाइबर से भरपूर, एवाकाडो सुचारू पाचन को बढ़ावा देता है और स्वस्थ आंत बनाए रखने में मदद करता है।

हरी सब्जियां

पालक और गोभी जैसी सब्जियाँ फाइबर और पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, जो पाचन स्वास्थ्य और नियमितता का समर्थन करती हैं।

बोन सूप

हड्डी का सूप आंत की परत की मरम्मत करने, सूजन को कम करने और सभी पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करने में मदद कर सकता है।

घरेलू नुस्खे

डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गर्म कपड़ों को धोते समय नहीं करनी चाहिए ये गलतियां, वरना खराब हो जाएंगे ब्रांडेड कपड़े

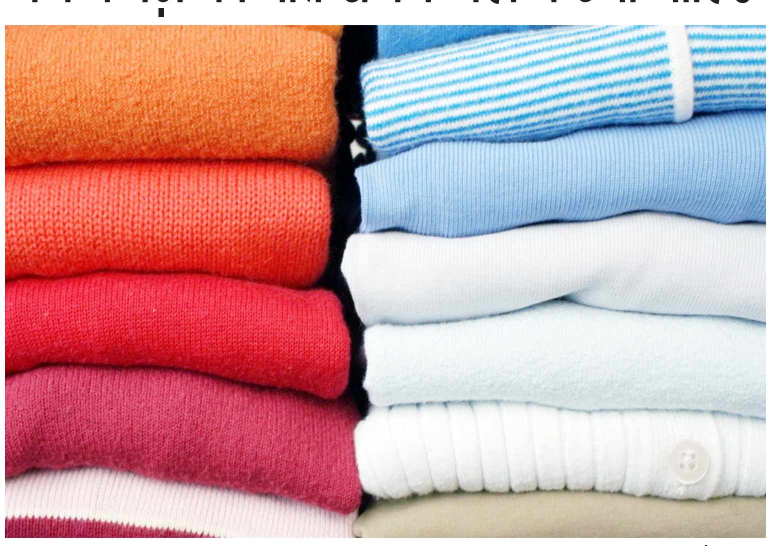

अनन्या मिश्रा

ऊनी कपड़े और ब्लैंकेट आदि की फर काफी ज्यादा सेंसिटिव होती है। इसलिए इनको साफ करने या धोने के दौरान एक्स्ट्रा केयर करने की जरूरत होती है। हम आपको 5 ऐसी गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको ऊनी कपड़े आदि धोते वक्त करने से बचना चाहिए।

इन दिनों कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। ऐसे में सर्दी से बचने के लिए कई लेयर के कपड़े पहनने पड़ते हैं। जिसके बाद भी शरीर में गर्माहट महसूस नहीं होती है। वहीं घर में लोग स्वेटर, जैकेट और कंबल आदि से खुद को लपेटकर रखते हैं। सप्ताह भर में कपड़े गंदे हो जाते हैं। भले ही इन कपड़ों को डेली वियर की तरह साफ नहीं करते हैं, लेकिन जब भी इन कपड़ों को साफ किया जाता है कि तो कुछ गलतियां ऐसी कर बैठते हैं, जिसके कारण गर्म कपड़े जल्द ही खराब होने लगते हैं।

ऊनी कपड़े और ब्लैंकेट आदि की फर काफी ज्यादा सेंसिटिव होती है। इसलिए इनको साफ करने या धोने के दौरान एक्स्ट्रा केयर करने की जरूरत होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसी गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको ऊनी कपड़े आदि धोते वक्त करने से बचना चाहिए।

माइल्ड और सॉफ्ट डिटर्जेंट

ऊनी कपड़े काफी ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। ऐसे में इन कपड़ों को एक्स्ट्रा केयर करने की जरूरत होती है। वहीं वाशिंग मशीन में धोने की जगह इन कपड़ों को हाथों से धोना चाहिए। ऊनी कपड़ों को हार्ट डिटर्जेंट से धोने से इनकी सॉफ्टनेस कम होने लगती है और इनका टेक्सचर और फर खराब होने लगता है।

नॉर्मल पानी से धोएं गर्म कपड़े

सर्दियों के कपड़ों को कई लोग गर्म पानी में भिगोकर साफ करते हैं। भले ही इस तरीके से कपड़ों का मैल आसानी से साफ हो जाता है। लेकिन गर्म पानी से ऊनी कपड़ों के रेशे और कंबल के फर खराब हो जाते हैं। इसलिए नॉर्मल पानी से ऊनी कपड़े धोने चाहिए, साथ ही गर्म पानी से कपड़े का रंग भी फीका पड़ने लगता है।

सीधा करके न धोएं ऊनी कपड़े

स्वेटर, मोजा, जैकेट और ग्लव्स समेत अन्य ऊनी कपड़ों को सीधा करके ना तो धोना चाहिए और ना ही सुखाना चाहिए। क्योंकि सीधा करके इन कपड़ों को धोने से मैल अंदर ही रह जाता है और बाहरी गंदगी साफ हो जाती है। वहीं कपड़ों पर जब सीधी धूप पड़ती है, तो कपड़ों का रंग फेड हो सकता है।

स्वेटर, मोजा, जैकेट और ग्लव्स समेत अन्य ऊनी कपड़ों को सीधा करके ना तो धोना चाहिए और ना ही सुखाना चाहिए। क्योंकि सीधा करके इन कपड़ों को धोने से मैल अंदर ही रह जाता है और बाहरी गंदगी साफ हो जाती है।

इतने दिनों पर न साफ करें कपड़े

कुछ लोगों की हर दो चार दिन में ऊनी कपड़े धोने की आदत होती है। लेकिन ऊनी कपड़ों का टेक्सचर काफी ज्यादा सॉफ्ट होता है। ऐसे में हर 2-3 दिन के अंतराल पर इन कपड़ों को साफ करने से बचना चाहिए।

दाग की सफाई

यदि ऊनी कपड़ों पर चाय, सब्जी, जूस और कॉफी आदि के दाग लग जाते हैं, तो एक छोटा चम्मच स्पिरिट गुनगुने पानी में डालकर इससे दाग को साफ करें। इससे स्वेटर, जैकेट और शॉल आदि में लगे दाग आसानी से साफ हो जाएंगे।

ज्योतिष

बुध ग्रह कुंभ राशि में गोचर करने जा रहे हैं, इन 5 राशियों की चमकेगी किस्मत

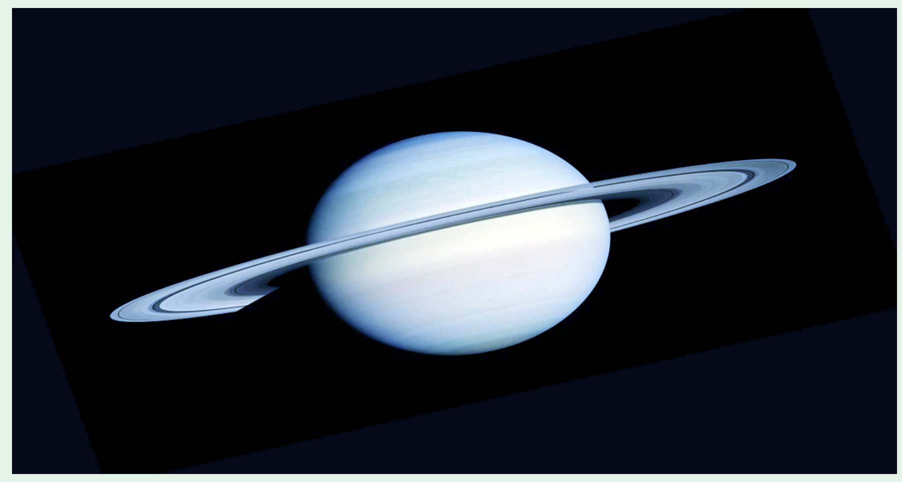

दिव्यांशी भदौरिया

कुंभ राशि में एकसाथ हुए सूर्य-शनि-बुध, इन पांच राशियों की खुलेगी किस्मत। करियार क्षेत्र में मिलेगी सफलता और नौकरीपेशा लोगों को होगा लाभ। कुंभ राशि में बुध के गोचर से सूर्य-शनि-बुध की युति बनेंगी। ज्योतिष के अनुसार कुंभ राशि में त्रिग्रहों की युति से इन 5 राशियों का किस्मत बदलने वाली है। आइए बताते है इन 5 राशियों के बारे में।

बुध ग्रह 20 जनवरी को मकर राशि से यात्रा समाप्त करके कुंभ राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। इस राशि पर यह 7 मार्च की सुबह 9 बजकर 35 मिनट तक गोचर करेंगे, इसके बाद मीन राशि में चले जाएंगे। बुध के कुंभ राशि में गोचर करने से बुधादित्य राजयोग का निर्माण होगा। क्योंकि कुंभ राशि में बुध के गोचर से सूर्य-शनि-बुध की युति बन रही है। ज्योतिष के अनुसार कुंभ राशि में त्रिग्रहों की युति से इन 5 राशियों का किस्मत बदलने वाली है।

मेष

मेष जातकों को नौकरी में इंक्रीमेंट-प्रोमोशन मिलने से खुश हो सकते हैं। पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। परिवार में मेल-मिलाप होगा और बीमारियों से बचेंगे।

वृषभ

आय के स्त्रोतों में बढ़ोतरी के योग बनेंगे, बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बेहतर करेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी, आपसी तालमेल बना रहेगा।

कर्क

कर्क राशि वालों को त्रिग्रही योग के चलते है भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य तेजी से होंगे, लंबी यात्राओं से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा।

सिंह राशि

पैतृक संपत्ति से लाभ मिलेगा, वहीं धन कमाने के नए अवसर प्राप्त होंगे। व्यापारियों का मुनाफा बढ़त पर रहेगा, इसके साथ ही धन का संचय होगा।

धनु

नौकरीपेशा लोगों की तरक्की होगी और आर्थिक मोर्च पर बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। निवेश करने के लिए यह समय एकदम सही है।

उपाय

यदि आपको इस त्रिग्रही योग से समास्या हो रही है तो आप प्रतिदिन ऋणहर्ता गणेश का स्तोत्र पाठ कर सकते हैं। सूर्य को जल अर्पित करें और दान-धर्म के कार्य करें।

पर्यटन स्थल

ट्रेन की टिकट कंफर्म होने पर ही देना होगा पैसा, IRCTC ने शुरू की नई सर्विस, इस तरह से उठाएं फायदा

दिव्यांशी भदौरिया

ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए आप आईआरसीटीसी के ऐप और वेबसाइट पर ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुक कर सकते हैं। जब तक आपको कन्फर्म टिकट नहीं मिल जाता तब तक तुरंत पैसे का भुगतान नहीं करना पड़ता है। हालाँकि यह सुविधा केवल आईआरसीटीसी के **iPay** भुगतान गेटवे पर उपलब्ध है, अन्य पर नहीं। इसका उपयोग कैसे करें यह जानने के लिए यहां पढ़ें।

इंडियन रेलवे ने यात्रियों के लिए बड़ी राहत दी है। बता दें कि, रेल यात्रियों को अब कन्फर्म टिकट मिलने पर ही अकाउंट से पैसा कटेगा। वहीं, टिकट रद्द करने पर तुरंत पैसा रिफड भी होगा। यह विकल्प केवल आईआरसीटीसी द्वारा आई-पे भुगतान गेटवे में सक्षम है और इसे 'ऑटोपे' कहा जाता है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के आईपे पेमेंट गेटवे का 'ऑटो पे' फीचर एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), क्रेडिट कार्ड और यहां तक कि डेबिट कार्ड के साथ भी काम करता है।

आईआरसीटीसी की वेबसाइट के मुताबिक, उपयोगकर्ता के बैंक खाते से पैसे तभी कटेंगे जब सिस्टम रेलवे टिकट के लिए पीएनआर जनरेट कर देगा। यह तंत्र उसी तरह है जैसे प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) एप्लिकेशन यूपीआई का उपयोग करके काम करता है।

आईआरसीटीसी iPay ऑटोपे से किसे फायदा होगा?

इससे सबसे अधिक फायदा केवल उन लोगों को होगा जो रेलवे ई-टिकट बुक कर रहे हैं या प्रतीक्षा सूची वाले सामान्य या तत्काल टिकट बुक करने का प्रयास कर रहे हैं। आईआरसीटीसी वेबसाइट के अनुसार, आईपे ऑटोपे निम्नलिखित परिदृश्यों में सबसे उपयोगी हैः

वेटिंग लिस्ट

ऑटोपे अधिक फायदेमंद है जहां 'बर्थ विकल्प पूरा नहीं हुआ' या 'नो रूम' परिदृश्यों के कारण उपयोगकर्ता के बैंक खाते से भुगतान की कटौती के बाद भी ई-टिकट बुक नहीं किया जाता है।

प्रतीक्षा सूची तत्काल

यदि चार्ट तैयार होने के बाद भी तत्काल प्रतीक्षा सूची वाला ई-टिकट प्रतीक्षा सूची में रहता है, तो ऐसे मामलों में केवल लागू शुल्क (रद्दीकरण शुल्क, आईआरसीटीसी सुविधा शुल्क और जनादेश शुल्क) उपयोगकर्ता के खाते से काट लिया जाएगा और ग्रहणाधिकार राशि (ऑटोपे) व्यक्ति के बैंक खाते में वापस जारी कर दिया जाता है।

तुरंत रिफंड

यदि कोई व्यक्ति प्रतीक्षा सूची वाला टिकट बुक कर रहा है, तो कन्फर्म टिकट के असफल आवंटन पर काटे गए पैसे तीन से चार व्यावसायिक दिनों में वापस कर दिए जाएंगे। यदि बुकिंग राशि अधिक है तो उसके लिए तत्काल रिफंड प्राप्त करने से व्यक्ति को बिना किसी अतिरिक्त पैसे के वैकल्पिक परिवहन विकल्प बुक करने में मदद मिलेगी। हालाँकि, यदि किसी व्यक्ति ने प्रतीक्षा सूची टिकट बुक करने के लिए आईआरसीटीसी ढंट की ऑटोपे सुविधा का उपयोग किया था और कन्फर्म टिकट आवंटित नहीं किया जा सका।

सम्पादकीय

बहस के मजमून बहुत हैं

बजट के मजमून अब विपक्ष की कचहरी में गूंजने लगे, तो प्रदेश की चिंताएं समझी जानी चाहिएं। हालांकि बजट ने जनप्रतिनिधियों की खुशामद में वार्ड पंच से जिला परिषद तक सदस्यों के मानदेय को बढ़ा दिया या विधायक प्राथमिकता निधि को सींच दिया, लेकिन विपक्ष के पास पूछने और आपत्ति लगाने के लिए मजमून बहुत हैं। कुछ प्रश्नों की तासीर में महज विरोध है, तो कहीं जानकारियों के गुंबद तक गूंज पहुंच रही है। उदाहरण के लिए नाचन के विधायक ने सरकार से यह जानकारी ले ली कि प्रदेश में वैट लीजिंग पर 18 वोल्वो बसें आज भी चल रही हैं, लेकिन इनसे जुड़े कई सवाल अभी बाकी हैं। वैट लीजिंग के आधार पर गुणवत्ता के प्रश्न अगर पूछे जाएं तो वोल्वो बस सेवाओं का नाम बदनाम हो रहा है। पर्यटक स्थलों या एयरपोर्ट के लिए चल रहीं ऐसी बसों का हुलिया क्यों यात्री को निराश कर रहा है।

प्रदेश में निजी वोल्वो सेवाओं के आगे एचआरटीसी क्यों हार रही, इसका भी तो जवाब चाहिए। बजट सत्र के माध्यम से हम प्रदेश, प्रदेश की प्राथमिकताएं, सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व, सत्ता के विभिन्न पहलू और इनमें चमकते विधानसभा क्षेत्रों के इरादे देख सकते हैं। बहस से नीतियों के आगोश में बैठे सपने और सपनों का प्रदेश दिखाई देता है। ऐसे ही एक प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर जब बताते हैं कि सुजानपुर के कालेज में पीजी कक्षाएं शुरू हो जाएंगी, तो सवाल यह कि मटौर या लंज के कालेज में क्यों नहीं। हम हर कालेज को पोस्ट ग्रेजुएट बना देंगे, लेकिन छात्र को अध्ययन के कक्ष में शायद ही स्तरोन्नत कर पाएंगे।

हिमाचल में विश्वविद्यालयों, मेडिकल कालेजों और इंजीनियरिंग कालेजों की बाढ़ के बावजूद हमने हासिल क्या किया।

एक प्रदेश जिसकी प्रति व्यक्ति आय देश की औसत से ऊपर और जो देश के प्रमुख राज्यों की कतार में कतई गरीब प्रांत नहीं है, लेकिन सरकार के आचरण में हम गरीबी का कालीन बिछाकर सरकारी धन से दस्तकारी कर रहे हैं। हैरानी यह कि पक्ष और विपक्ष के बीच गारंटियों की तकरार पर प्रदेश का भविष्य देखा जा रहा है, जबकि आत्मनिर्भरता के सवाल पर यह क्यों न पूछा जाए कि इस दरियादिली की जरूरत क्या है।

महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए देने की गारंटी पूरी की जाए या हिमकेयर के भुगतान को बजट तुरंत पूरा करे। प्रदेश की प्राथमिकताओं में कब पक्ष-विपक्ष के सुर एक होंगे।

बेशक हर विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र के हित में प्रश्न पूछने होंगे, लेकिन प्रदेश के सवालों का नेतृत्व कौन करेगा। आपदा ने पिछले बजट के कई तहखानों में सिर छुपाने की कोशिश की, लेकिन वहां राज्य के वित्तीय आचरण में इसके लिए कोई जगह नहीं थी। आज भी एफसीए केसों में हमारा विकास फंसा है, लेकिन राजनीतिक कारणों से कभी यह सोचा ही नहीं गया कि पर्यावरण एवं वन संरक्षण कानून के नाम पर प्रदेश से हो रही ज्यादतियों के लिए क्या करें।

इस दौरान हिमाचल के हक अगर आज केवल कांग्रेस की थाली में गिने जाएं, तो कल भाजपा की अमानत भी हो सकते हैं। कभी तो विधानसभा की बहस केंद्र से उलझे हिमाचल के मामलात पर एकजुटता से आगे बढने के मतैक्य में ढूंढा जाए।

बेशक विपक्ष ठेकेदारों की पेमेंट पर संजीदा होकर सरकार से पूछ रहा है, लेकिन सरकारी निर्माण की गुणवत्ता पर कब दोनों पक्ष गंभीरता से विचार करेंगे। दरअसल प्रदेश की प्रगति में कई माफियाओं के घर बन रहे हैं। एक नया समुदाय हिमाचल की आन, बान, शान का प्रतीक हो रहा है।

इसमें सफल राजनीतिज्ञ, नौकरशाह और सरकार के कारिंदे हर सत्ता में पैदा हो रहे हैं।

आज भी हिमाचल की आय का छबील लोगों को शराब पिला रहा है और इसी की वजह से मिल्क सैस 90 करोड़ की उगाही कर रहा है। कब हमारे बजट की अदालत में स्वावलंबन का पक्ष सिद्ध होगा।

एमएसपी प्रस्ताव खारिज

किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें दलहन, कपास, मक्की, उड़द और अरहर की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का आश्वासन दिया गया था। फसलों की मात्रा की भी कोई सीमा तय नहीं की गई थी। कृषि मंत्री समेत तीन केंद्रीय मंत्रियों ने 100 फीसदी एमएसपी पर सरकारी खरीद का प्रस्ताव दिया था। किसानों की अस्वीकृति निराशाजनक और नकारात्मक है। चूंकि पंजाब के ज्यादातर किसान आंदोलित हैं और अब हरियाणा के कुछ किसान भी सुगबुगा रहे हैं, लिहाजा वे गेहूं और धान समेत 23 फसलों के एमएसपी की गारंटी मांग रहे हैं। दालें, मक्की, कपास ऐसी फसलें हैं, जिनमें गेहूं, धान, गन्ने की तुलना में पानी की कम खपत होती है। पंजाब में भूजल की स्थिति संकट में है। केंद्र सरकार ने यह प्रस्ताव फसलों के विविधीकरण के तहत दिया था और 5 साल के लिए अनुबंध करने को भी वह तैयार थी, लेकिन किसानों ने इसे ह्यगुमराहपूर्णह्ण करार दिया। किसानों के आरोप हैं कि एमएसपी की गारंटी पर अब भी केंद्र सरकार गंभीर नहीं है और वक्त गुजारने की कोशिश कर रही है। नतीजतन किसान संगठनों ने 21 फरवरी को ह्यदिल्ली कूचह्ण का आह्वान नए सिरे से किया है। अब भाजपा नेताओं के घरों के बाहर धरने दिए जाएंगे और व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन भी किए जाएंगे। पंजाब और हरियाणा ही नहीं, बल्कि मप्र और तेलंगाना के किसानों की भी शिकायत रही है कि उन्हें मक्की, दलहन, तेल-बीज, कपास आदि फसलों पर कोई खास प्रोत्साहन नहीं दिया जाता। एमएसपी पर खरीद में भी कई विसंगतियां हैं। सरकार ने जो प्रस्ताव दिया था, वह पंजाब, हरियाणा के किसानों के लिए सटीक फॉमूर्ला नहीं है, क्योंकि वे प्रस्तावित फसलें नगण्य ही पैदा करते हैं। मप्र, गुजरात, कर्नाटक, बंगाल आदि राज्यों के किसान प्रस्तावित फसलों की पैदावार अधिक करते हैं। इन फसलों की बिक्री के लिए सरकार के पास कोई निश्चित ह्यदुकानह्ण भी नहीं है, लिहाजा नैफेड और कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया जैसी सरकारी एजेंसियों को खरीदी हुई फसलों को बाजार में ही बेचना पड़ता है। यदि कोई नुकसान होता है, तो उसे भारत सरकार को ही वहन करना पड़ता है। गौरतलब है कि जिन फसलों पर एमएसपी की व्यवस्था है, उनकी खेती में हिस्सेदारी करीब 28 फीसदी है, जबकि करीब 50 फीसदी किसान बागवानी, पशुपालन आदि में जुटे हैं।

हरी सब्जियों, फल, दूध आदि पर कोई एमएसपी नहीं है। एमएसपी के दायरे में आलू, प्याज, टमाटर भी नहीं हैं, जिनके किसान औने-पौने दाम मिलने के कारण प्रलाप करते रहे हैं या अपनी फसलों को सडकों पर फेंकते रहे हैं। क्या वे सभी किसान नहीं हैं? गौरतलब यह भी है कि एमएसपी वाली फसलों की विकास-दर मात्र 1.8 फीसदी है, जबकि बागवानी, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन आदि की विकास-दर, बीते 20 सालों के दौरान, 5 से 8 फीसदी रही है।

स्वामी, मुद्रक एवम प्रकाशक संगीता सिंह ने मैसर्स एजीएस पब्लिकेशन एफ - 23 सेक्टर 6 नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर एस -5 / 4/176 एल जी एफ सेक्टर 4 वैशाली साहिबाबाद जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201010 से प्रकाशित किया
प्रबंध संपादक : शैलेश कुमार सिंह।
संपादक : अभिमन्यु सिंह
RNI NO UPHIN/2012/46248
Mob : 9818189921
Whatsapp : 9818189921
Email : Abhivartasamchar@gmail.com

पंजाब को बचाना है तो धान पर एमएसपी का लालच छोड़ना ही पड़ेगा

किसान आंदोलन-2 के शुरूआती चरण में ही पंजाब के किसान आंदोलनकारियों के सामने एक स्वर्णिम अवसर आया लेकिन विरोध प्रदर्शन के राजनीतिक उत्साह में उन्होंने उसे ठुकरा दिया है।

केन्द्र सरकार और किसान आंदोलनकारियों के बीच बातचीत में केन्द्र सरकार ने उन्हें धान के स्थान पर अन्य असाढी फसलों पर एमएसपी देने का प्रस्ताव किया लेकिन आंदोलन के जुनून में किसान आंदोलनकारियों ने उसे ठुकरा दिया। यह एक ऐसा स्वर्णिम अवसर था जिसको ठुकराने का सीधा नुकसान पंजाब और पंजाब की खेती किसानी को होगा।

पंजाब में चावल की खेती का कोई औचित्य नहीं है। न तो पंजाब के लोग चावल खाते हैं और न ही वहां कभी चावल की खेती का इतिहास रहा है। पंजाब में परंपरागत रूप से ज्वार, बाजरा, मक्का और दलहन तथा बाद में गेहूं की पैदावार ही होती थी। पंजाब में धान की खेती शुरू हुई हरित क्रांति के बाद जब वहां के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना शुरू हुआ।

लेकिन पंजाब में धान की यह खेती पंजाब की धरती को ही बहुत भारी पड़ी है। धान ने पंजाब के किसान की खेती का पैटर्न किस तरह से बदला है उसे एक आंकड़े से समझ सकते हैं कि 1970 में 6.9 प्रतिशत जमीन पर धान की खेती होती थी लेकिन 2005 में यह आंकड़ा 33.8 फीसदी पहुंच गया। इसका परिणाम यह हुआ कि पंजाब की परंपरागत फसलों के लिए खेती का रकबा घट गया।

पंजाब में धान की खेती का बढता चलन ऐसा वक्त था जिसने लागत को लगातार बढा दिया। लेकिन क्योंकि धान और गेंहू की खेती किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देती है इसलिए उनकी लागत की भरपाई हो जाती है। इसलिए कल तक जब उनसे यह कहा जाता था कि आप पंजाब की परंपरागत खेती को अपनाइये तो किसान लागत का रोना रोते थे। उन्हें पता था कि अगर गेहूं और धान के अतिरिक्त उन्होंने कुछ और पैदा किया तो उसे सरकार खरीदेगी नहीं। इसलिए किसानों को ऐसी फसलों की तरफ मोड़ने का तर्क जिन पर कोई न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं है पंजाब के किसानों को समझ नहीं आता था।

लेकिन अब जबकि केन्द्र सरकार की ओर से खुद यह प्रस्ताव दिया जा रहा है कि पंजाब के किसान अपनी परंपरागत खेती की ओर लौटें। सरकार एमएसपी पर उन फसलों को खरीदने के लिए तैयार है जो अभी एमएसपी के बाहर थीं तब भी किसान आंदोलनकारियों ने उसे ठुकराकर पंजाब के लिए एक स्वर्णिम अवसर गवा दिया है।

पंजाब में धान की खेती ने न केवल भूजल का गंभीर संकट पैदा किया है बल्कि कीटनाशकों के बेतहाशा इस्तेमाल और धान की पराली जलाने की समस्या ने गंभीर पर्यावरणीय संकट भी पैदा किया है।

पंजाब में कैंसर एक महामारी के रूप में फैला तो इसका सबसे बड़ा कारण एमएसपी के लालच में फसलों पर बेतहाशा कीटनाशकों और केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल ही था। पंजाब में एक आम चलन है कि पंजाब के किसान जो पैदा करते हैं उसे नहीं खाते। वो अपने खाने का गेहूं चावल मध्य प्रदेश और बंगाल से मंगाते हैं। जबकि जो गेहूं और चावल वो पैदा करते हैं उसे एमएसपी पर सरकार को बेच देते हैं।

ऐसा करने के पीछे कोई त्याग तपस्या या परोपकार की भावना नहीं है। ऐसा करना उनकी मजबूरी है क्योंकि वो जानते हैं कि गेहूं धान की पैदावार में अत्यधिक उत्पादन की लालच में उन्होंने जितना केमिकल फर्टिलाइजर और कीटनाशक इस्तेमाल किया है उसके बाद वह अनाज खाने लायक ही नहीं बचा है। 2021-22 की रिपोर्ट है कि अकेले पंजाब में 39 लाख मिट्रिक टन फर्टिलाइजर का प्रयोग किया गया। देश में सर्वाधिक 103 लाख मिट्रिक टन केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल यूपी में हुआ लेकिन कृषि जोत के मामले में यूपी पंजाब से साढे चार गुना बड़ा है।

भारत में कुल 183 मिलियन हेक्टेयर खेती योग्य जमीन है जिसमें सर्वाधिक खेती योग्य जमीन राजस्थान में है 20.87 मिलियन हेक्टेयर। इसके बाद महाराष्ट्र 20.5, उत्तर प्रदेश 17.5, मध्य प्रदेश 15.67 और कर्नाटक 11.81 मिलियन हेक्टेयर जमीन के साथ दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवे नंबर पर हैं। 4.2 मिलियन हेक्टेयर खेतीयोग्य जमीन के साथ पंजाब इस लिस्ट में बहुत नीचे है लेकिन उसकी केमिकल फर्टिलाइजर और कीटनाशकों की खपत खेती के अनुपात में सर्वाधिक है।

जहां तक कृषि उपज का सवाल है तो उसमें पंजाब अपनी अत्यधिक केमिकल फर्टिलाइजर युक्त खेती के कारण ही कम जोत के बावजूद तीसरे नबंर है। पंजाब के मुकाबले बहुत कम केमिकल फर्टिलाइजर इस्तेमाल करनेवाला पश्चिम बंगाल सबसे बड़ा कृषि उत्पादन वाला प्रदेश है। उसके बाद उत्तर प्रदेश है और फिर पंजाब का नंबर आता है। औद्योगिक राज्य में पहचान बनानेवाला गुजरात कृषि उत्पादन में चौथे नंबर पर है। पांचवे नंबर पर हरियाणा है। इस तरह यह मिथक भी अनावश्यक है कि पंजाब पूरे देश को गेहूं चावल खिलाता है। असल में इस मिथक के पीछे भी उसी एमएसपी लॉबी की अफवाह है जो यह भ्रम बनाकर रखना चाहते हैं ताकि पंजाब में धान और गेहूं पर मिलनेवाली एमएसपी मिलती रहे।

लेकिन एमएसपी के इस लालच ने पंजाब को ही सबसे अधिक तबाह किया है। पंजाब में भूजल स्तर इतना अधिक गिर चुका था कि 2008 में कानून बनाकर अप्रैल मई में होनेवाली धान की खेती पर रोक लगानी पड़ी। एमएसपी के लालच में पंजाब के किसानों ने अप्रैल मई के महीने में धान की रोपाई शुरू कर दी थी। इस कारण वो एक सीजन में धान की दो फसल लेने लगे थे।

लेकिन इसका दुष्परिणाम ये हुआ कि पंजाब का भूजल संग्रह 2009 में ही 20.35 अरब घनमीटर पहुंच गया था। पंजाब किसान आयोग के अनुसार यह भूजल स्तर कम से कम 34.66 लाख घनमीटर होना चाहिए।

लेकिन पंजाब में एमएसपी के लालच में धान की खेती के कारण न केवल भूजल गिरा है बल्कि जलवायु परिवर्तन की मार का असर भी पंजाब पर होने लगा है। अत्यधिक भूजल दोहन के कारण पंजाब में सूखे का संकट बढ सकता है। पंजाब के औसत तापमान में 2030 तक भी 0.5 से 1 डिग्री सेल्यियस की बढत दर्ज होने का अनुमान है। ऐसा होने पर स्वाभाविक रूप से पंजाब की खेती पर विपरीत असर पड़ेगा और वहां गेहूं चावल की पैदावार में 8 से 10 प्रतिशत की कमी आ जाएगी।

ऐसे में आज नहीं तो कल, इच्छा से या अनिच्छा से पंजाब के किसानों को धान की खेती छोड़नी ही पड़ेगी। यह न केवल पंजाब की खेती किसानी के लिए जरूरी होगा बल्कि प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के लिए जरूरी होगा।

पंजाब में धान की खेती खत्म होने से न केवल पंजाब में खेती की लागत में भारी गिरावट आयेगी बल्कि ज्वार बाजरा और दलहन की पैदावार पर एमएसपी मिलने से उनकी आमदनी भी बनी रहेगी।

जिस सीजन में वो धान रोपते हैं उस सीजन में उन्होंने ज्वार बाजरा बोना शुरू किया तो न केवल पंजाब की धरती सुरक्षित होगी बल्कि दिल्ली जैसे शहरों में पराली के कारण होनेवाली प्रदूषण की समस्या भी दूर होगी।

इन परिस्थितियों में ज्वार बाजरा और दलहन पर एमएसपी की गारंटी पंजाब के किसानों के लिए एक स्वर्णिम अवसर था जिसे उनके किसान नेताओं ने फिलहाल गंवा दिया है। लेकिन देर सबेर यही विकल्प पंजाब को और वहां के किसानों को बचायेगा, इसमें भी कोई दो राय नहीं।

अच्छा होता राजनीति छोड़कर किसान नेता इस स्वर्णिम अवसर को लपक लेते और जीत का जश्न मनाते हुए वापस लौट जाते।

कमलनाथ की बगावत को किस नजरिए से देखें

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला के विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा के बाद कांग्रेस में भगदड़ की स्थिति है। एक तरफ कांग्रेस के कई बड़े नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। तो दूसरी तरफ कांग्रेस के भीतर वैसी ही गुटबाजी शुरू हो गई है, जैसी विवादित ढांचा टूटने के बाद शुरू हो गई थी।

अयोध्या में विवादित ढांचा टूटने के बाद अर्जुन सिंह ने नरसिम्हा राव को जिम्मेदार मानते हुए पार्टी के भीतर उनके खिलाफ गुटबाजी शुरू कर दी थी। अर्जुन सिंह का मानना था कि नरसिम्हा राव ने जानबूझ कर बाबरी ढांचा टूटने दिया था।

उन्हीं अर्जुन सिंह के राजनीतिक चेले कमलनाथ ने मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले हिन्दू राष्ट्र के पैरवीकार धीरेन्द्र शास्त्री को अपने निर्वाचन क्षेत्र छिंदवाडा में बुला कर पार्टी के भीतर नई बहस शुरू कर दी थी।

अर्जुन सिंह के दूसरे चेले और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इशारों ही इशारों में कमलनाथ के उस कदम का विरोध भी किया था। हालांकि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के भीतर दोनों एक ही कैंप के माने जाते रहे हैं। 2018 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ खड़े हो कर दिग्विजय सिंह ने ही कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनवाया था। पच्चीस साल पहले 1993 में श्यामा चरण शुक्ल के खिलाफ खड़े हो कर कमलनाथ ने दिग्विजय सिंह को मुख्यमंत्री बनवाया था।

कांग्रेस में गुटबाजी कोई नई बात नहीं है, आजादी से पहले और बाद में भी पार्टी में गुटबाजी होती रही है। इंदिरा गांधी के वक्त तक पार्टी के भीतर कई प्रेशर ग्रुप हुआ करते थे, जो पार्टी को मध्य मार्गी बनाए रखने के लिए हाईकमान को एक तरफ झुकने से रोकते थे। इंदिरा गांधी के पार्टी तोड़ देने के बाद कांग्रेस में सब कुछ बदल गया था।

इसके बाद कांग्रेस में एक नया दौर शुरू हुआ जब अपने प्रादेशिक नेताओं को काबू में रखने के लिए कांग्रेस हाई कमान खुद भी राज्यों में गुटबाजी को हवा देता रहता था। यह सिलसिला इंदिरा गांधी के बाद सोनिया-राहुल के समय भी चलता रहा। पंजाब में अमरिंदर सिंह को नियन्त्रण में रखने के लिए नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया गया था। हरियाणा में भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को नियन्त्रण में रखने के लिए अशोक तंवर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया गया था।

राज्यों के कांग्रेसी नेता एक दूसरे गुट के खिलाफ कांग्रेस मुख्यालय में धरने प्रदर्शन भी करते रहे हैं। मध्यप्रदेश में तो दो गुटों के शक्ति प्रदर्शन में बम धमाके और फायरिंग भी होती रही है। पार्टी को मध्यमार्गी बनाए रखने वाले नेता तस्वीर से गायब हो गए थे। गुटबाजी व्यक्तिगत स्वार्थों पर आकर टिक गई थी।

कांग्रेस पार्टी के भीतर वैचारिक गुटबाजी तब शुरू हुई जब विवादित ढांचा टूटने के बाद मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष नरसिंह राव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। नरसिम्हा राव और अर्जुन सिंह में एक दूसरे के खिलाफ कशमकश उस दिन से चल रही थी, जब राजीव गांधी की हत्या के बाद नरसिम्हा राव ने सोनिया गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाने का विरोध किया था।

वह तो उस समय सोनिया गांधी ने ही राजनीति में आने से इनकार कर दिया था, इसलिए नरसिम्हा राव अध्यक्ष बन गए थे। लेकिन कुछ दिनों बाद ही वह अर्जुन सिंह के माध्यम से नरसिम्हा राव की गतिविधियों की रिपोर्ट लेने लगी थी। बाबरी ढांचा टूटने के बाद तो अर्जुन सिंह ने नरसिम्हा राव के खिलाफ सोनिया गांधी के कान भरने शुरू कर दिए थे।

पार्टी के भीतर यह माना जाने लगा था कि अर्जुन सिंह दस जनपथ यानी सोनिया गांधी के प्रतिनिधि हैं। अर्जुन सिंह ने पार्टी के भीतर नरसिम्हा राव के खिलाफ देश भर में अपना गुट बनाना शुरू कर दिया था, जिसमें उस समय के पर्यावरण मंत्री कमलनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और सांसद अजीत जोगी भी शामिल थे। उधर रक्षा मंत्री शरद पवार ने अलग मोर्चा खोल रखा था, लेकिन जब नरसिम्हा राव ने अर्जुन सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया तो पवार अर्जुन सिंह के खिलाफ नरसिम्हा राव के साथ हो गए थे।

इसके बाद अर्जुन सिंह पार्टी से निकले और उन्होंने नारायण दत्त तिवारी के साथ मिल कर तिवारी कांग्रेस बनाई। वह एक अलग कहानी है। लेकिन अर्जुन सिंह ने जिस तरह पार्टी के भीतर मुस्लिम परस्ती को बढ़ावा दिया, उसके खिलाफ वी.एन. गाडगिल के बाद पार्टी के भीतर हिन्दुओं की आवाज उठाने और पार्टी को मध्यमार्ग पर वापस लाने वाला कोई नहीं रहा।

सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी में गुटबाजी काफी हद तक खत्म हो गई थी। फिर भी यूपीए सरकार के समय भी बाटला हाउस मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अर्जुन सिंह के इशारे पर शिवराज पाटिल और पी. चिदंबरम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिस कारण कांग्रेस को शर्मसार होना पड़ा था।

सोनिया गांधी के आशीर्वाद के कारण 2004 से 2009 तक मनमोहन सिंह सरकार में मानव संसाधन मंत्री रहते हुए अर्जुन सिंह ने शिक्षा का जमकर मुगलियाकरण किया। कांग्रेस की आज की दयनीय स्थिति का एक बड़ा कारण यह भी है। अगर अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह की मुस्लिम परस्त राजनीति के खिलाफ पार्टी के भीतर कमलनाथ, अशोक गहलोत, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जैसे नेता उस समय आवाज उठाते तो कांग्रेस को कम्युनिस्ट पार्टी बनने से बचाया जा सकता था

2014 में हार के बाद ए.के. एंटनी कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पार्टी की हार का सबसे बड़ा कारण यह है कि पार्टी की छवि मुस्लिमपरस्त पार्टी की बन गई है। सत्ता से हटने के बाद इन तीनों नेताओं ने पार्टी के भीतर समय समय पर मुस्लिमपरस्ती के खिलाफ आवाज उठाई है। आचार्य प्रमोद के इस आरोप की पुष्टि कांग्रेस छोड़ने वाले असम के विधायक विधायक कामाख्या देव पुरकायस्थ और राजस्थान के महेंद्र जीत सिंह मालवीय ने भी की है कि उन्हें राम लला की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन मन्दिरों में जाने से रोका गया था।

कमलनाथ ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारत को हिन्दू राष्ट्र कह कर और हिन्दू राष्ट्र के पैरवीकार धीरेन्द्र शास्त्री को अपने निर्वाचन क्षेत्र में बुलाकर पार्टी के भीतर मध्यमार्ग अपनाने की आवाज उठाई थी। चुनाव नतीजों के बाद उन्हें पार्टी से किनारे करके उनकी लाईन को पूरी तरह नकार दिया गया। यह अलग राजनीतिक चर्चा का विषय है कि वह अपने बेटे नुकुल नाथ के राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित हैं, इसलिए वह उसका भविष्य भाजपा में देखते हैं।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ए.के. एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने भी अपना राजनीतिक भविष्य भाजपा में सुरक्षित समझा है। लेकिन कमल नाथ अपने बेटे के भविष्य को लेकर चिंतित नहीं है, जैसे ज्योतिरादित्य भाजपा में चले गए, अनिल एंटनी भाजपा में चले गए, वैसे ही नकुल नाथ भी भाजपा में जा सकते हैं। कमलनाथ को लेकर भाजपा के भीतर भी आम सहमति नहीं है, लेकिन ऐसी स्थिति नकुल नाथ के साथ नहीं है।

कमलनाथ अपने बेटे के राजनीतिक भविष्य के कारण नहीं, पार्टी के भीतर किए गए अपमानजनक व्यवहार के कारण उत्तेजित हैं। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ नहीं, अलबत्ता पार्टी हाईकमान पर हावी केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ मोर्चा खोला है। पार्टी के फैसलों को ये तीनों ही नेता प्रभावित कर रहे हैं।

कमलनाथ का इरादा पार्टी के खिलाफ बगावत या बुढ़ापे में भाजपाई हो जाने का नहीं है। अगर कांग्रेस में उनका भविष्य नहीं है, तो भाजपा में तो बिलकुल नहीं है।

भाजपा वैसे भी उनकी 1984 के सिख विरोधी दंगों में भूमिका को लेकर उन्हें लेने में हिचकिचाएगी। कमलनाथ पार्टी के भीतर एक प्रेशर ग्रुप बनाकर कांग्रेस को मध्यमार्ग पर वापस लौटने में अहम भूमिका निभाने की संभावना टटोल रहे हैं, उन्हें देश भर के कांग्रेसियों का समर्थन भी मिल रहा है। इसलिए बहुत मजबूरी में ही कमल नाथ भाजपा का रूख करेंगे।

बिहार में महिला वोटर नीतीश के साथ रहेंगी या छिटकेंगी?

: जैसे जैसे लोक सभा का चुनाव पास आता जा रहा है, वैसे वैसे राजनीतिक समीकरणों और एजंडों पर मंथन भी भी तेजी पकड़ रहा है। बिहार में नीतीश के एनडीए में आने के बाद बीजेपी के लिए नफे और नुकसान की भी चर्चा हो रही है।

कई लोगों का मानना है कि अब नीतीश बाबू की वह वोट अपील नहीं रही जो पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान थी। पर बहुत लोगों का यह भी आकलन है कि नीतीश के पास अपनी जाति के 5 प्रतिशत वोट और महिलाओं के 50 प्रतिशत से अधिक वोट आज भी हैं और किसी भी चुनाव के परिणाम में इतने वोट काफी असर डाल सकते हैं।

ईँ१ स्त्रङ्क' ३्२

क्या नीतीश के साथ महिला वोटर सचमुच पहले की तरह बरकरार हैं, या जातिगत सर्वेक्षण और शिक्षक भर्ती का श्रेय तेजस्वी यादव लेकर नीतीश कुमार का पुराना समीकरण बिगाड़ सकते हैं?

2019 के लोक सभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि महिला मतदाताओं ने एनडीए का भरपूर साथ दिया था। बिहार की 40 लोक सभा सीटों में से 39 पर एनडीए के उम्मीदवार जीत गए थे, हालांकि उस जीत में प्रधानमंत्री मोदी की भी लोकप्रियता का हाथ था पर बिहार जैसे राज्य में जहां चुनाव मुख्य रूप से जातिगत आधार पर लड़े और जीते जाते हैं, वहाँ सामाजिक बदलाव का चुनाव पर बड़ा असर पड़े, यह बड़ी बात है। इस नए बदलाव की वाहक बिहार की महिलाएं थी, जिन्होंने नीतीश कुमार की शराबबंदी और लड़कियों की शिक्षा पर रीझ कर एनडीए के पक्ष में जमकर वोट किया था।

2020 के विधानसभा चुनाव के आंकड़ों को भी देखें तो 59.7 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। यानि महिलाओं में चुनाव को लेकर उत्साह ज्यादा था। कभी बिहार में महिला मतदान का प्रतिशत 40 और पुरुष मतदान का हिस्सा 60 प्रतिशत होता था। नीतीश को इसके लिए श्रेय दिया जाना चाहिए।

2005 से नीतीश कुमार लगातार सरकारों का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी छवि सुशासन बाबू की बनी, तो उसमें उनकी विकासात्मक नीतियों के साथ साथ महिलाओं के लिए शुरू किए गए विशेष कार्यक्रम के भी परिणाम कारण बने। नीतीश ने गांव और पंचायत स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और निर्णय में उनकी भूमिका सुनिश्चित की।

लगभग दो दशकों के उनके शासन काल में बिहार में महिलाओं को आजीविका से जोडने वाली कई परियोजनाएं चलाई गईं। महिला जीविका कार्यक्रम, साइकिल योजना और महिलाओं के लिए पंचायत में 50 प्रतिशत आरक्षण ने नीतीश को एक सुधारवादी नेता के रूप में स्थापित किया। बिहार के लगभग 45,000 गांवों में आजीविका को बढ़ावा देने के लिए महिला-आधारित सामुदायिक संगठनों का एक जाल बन गया है।

मुख्यमंत्री साइकल योजना से लड़कियों के स्कूल नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और कुछ सालों में ही माध्यमिक विद्यालयों में लिंग अनुपात का अंतर कम हो गया। छात्राओं ने सरकार से प्राप्त साइकिल का उपयोग माध्यमिक विद्यालय तक पढ़ाई जारी रखने में किया। लड़कियां चारदीवारी से निकल कर अपने लिए एक मुकाम हासिल करने में सक्षम होने लगीं। उनका आर्थिक सशक्तिकरण हुआ। वे सामाजिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में भाग लेने लगीं।

इसलिए चुनावी प्रक्रिया में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी नीतीश कुमार की राजनीतिक और विकासात्मक पहल का ही परिणाम माना जाता है। बिहार में महिलाओं के बीच राजनीतिक आकांक्षा भी बढ़ी है और लगभग सभी राजनीतिक दलों ने संसदीय और विधान सभा चुनावों में महिलाओं को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व भी दिया है। हालांकि जीत कर आने वाली महिला प्रतिनिधियों की संख्या अब भी बहुत कम है। 40 सांसदों में केवल 3 महिला सांसद हैं और उसी तरह 243 विधायकों मे से केवल 28 महिला विधायक हैं।

इंडिया टुडे टीवी ने 2019 में एक जनमत सर्वेक्षण कराया था, जिसमें यह दशार्या गया कि महिलाएं ही थीं जो बिहार में एनडीए को बचाए रखना चाहती थीं, इसलिए नीतीश के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए को 41 प्रतिशत महिला वोट पड़े जबकि राजद के नेतृत्व वाले ग्रैंड अलायंस को 31 प्रतिशत महिलाओं के वोट मिले। महिलाओं ने एनडीए को बेहतर कानून और व्यवस्था के साथ साथ शराब बंदी के प्रति नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता के लिए भी वोट किया।

इस बीच बिहार में जाति-आधारित सर्वेक्षण और सरकारी नौकरियों का श्रेय लेने की लड़ाई जनता दल यूनाइटेड यानि जेडी यू और राजद के बीच चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही फिर से एनडीए के साथ आ गए हैं, लेकिन उनका परंपरागत वोटर भी साथ आ गया है, इस पर अलग अलग आकलन है।

लोकसभा चुनाव से पहले नौकरी बांटने का मुद्दा इस लोक सभा चुनाव में जरूर उठेगा। तेजस्वी ने ही उप मुख्यमंत्री बनने के बाद 10 लाख नौकरियां देने का नारा उछाला था और अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए 1.22 लाख शिक्षकों में से 25,000 को 2 नवंबर को ऐतिहासिक गांधी मैदान में बुलाकर नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया था।

विधानसभा में विधेयक पास होते ही सामने आईं राजनीति प्रतिक्रियाएं, जानिए क्या बोले सियासी दिग्गज

मुंबई मराठा आरक्षण विधेयक को आखिरकार महाराष्ट्र विधानसभा ने पारित कर दिया है। मंगलवार को सीएम एकनाथ शिंदे ने इसे सदन में पेश किया था। जिसको लेकर तमाम राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आईं हैं। गौरतलब है कि मराठा आरक्षण को लेकर सीएम एकनाथ शिंदे की सरकार ने महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाया था।

हमारी सरकार ने वर्षों की मांग को पूरा किया- सीएम शिंदे

महाराष्ट्र में दोनों सदनों से मराठा आरक्षण विधेयक पारित होने पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज मराठा समुदाय के लिए खुशी का दिन है। कई वर्षों से उनकी यही मांग थी, जो हमारी सरकार ने पूरी की है। इस सरकार ने मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया है। हमने इससे जुड़े बड़े पैमाने पर आंकड़ों को इकट्ठा किया गया। हमें विश्वास है कि आरक्षण अदालत में भी टिकेगा। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए एक विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। ओबीसी और अन्य किसी समुदाय के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं किया गया है। सदन ने सर्वसम्मति से विधेयक को पारित कर दिया है। मैं विपक्ष और मेरे दोनों मुख्यमंत्रियों को धन्यवाद देता हूं।

दोनों सदनों ने पारित किया विधेयक- देवेंद्र फडणवीस

मराठा आरक्षण बिल पर महाराष्ट्र के उपमुख्यंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आज सीएम शिंदे के नेतृत्व में हमारी सरकार ने दोनों सदनों में मराठा समुदाय को 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव पेश किया था। जिसे दोनों सदनों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। इसके लिए ओबीसी आरक्षण को छुआ नहीं गया है, मराठा आरक्षण को अलग से दिया गया है।

आसाराम के बेटे साईं ने वापस ली अस्थायी जमानत याचिका, पिता से मिलने के लिए किया था कोर्ट का रुख

अहमदाबाद। दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू से मिलने के लिए बेटे नारायण साईं ने गुजरात हाईकोर्ट में दायर अस्थायी जमानत याचिका को वापस ले लिया है। गौरतलब है कि उन्होंने बीमार पिता से मिलने के लिए यह याचिका दायर की थी। इस दौरान साईं ने कहा कि मेरे पिता जीवन के आखिरी पड़ाव पर हैं।

हमने जमानत याचिका वापस लेने का फैसला लिया- वकील

साईं के वकील आईएच सैयद ने याचिका वापल लेने का फैसला किया। इस दौरान दो जजों की पीठ को बताया गया कि साईं को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, उसे राजस्थान की जोधपुर जेल में वापस लाया जा रहा है। जिसके बाद अस्थायी जमानत याचिका को वापस लेने का फैसला लिया गया। सैयद ने अदालत को बताया कि साईं ने आसाराम से मिलने के लिए 20 दिन की अस्थायी जमानत मांगी थी, जिसमें कहा गया था कि वह जीवन के अंतिम चरण में है और जीवित नहीं रह पाएगा।

साईं पुलिस एस्कॉर्ट का खर्च उठाएंगे- वकील

वकील ने कहा कि साईं जोधपुर आने-जाने के लिए पुलिस एस्कॉर्ट का खर्च उठाएगा, अगर उसे अपने पिता से मिलने की अनुमति दी जाती है। उनके वकील ने एक मेडिकल रिपोर्ट भी पेश की जिसमें दिखाया गया कि उन्हें सोमवार को जोधपुर जेल में कार्डियक अरेस्ट हुआ था।

सार सुर्खिया

सबसे कम उम्र वाले बंधक की मां को घेरकर खड़े थे हमास आतंकी, परिवार ने कहा- मानवता के खिलाफ अपराध

यरूशलम। इस्राइली सेना ने सोमवार को एक नई तस्वीरें जारी करते हुए एक मां और उनके दो लड़कों को लेकर चिंता जताई है। लड़कों में एक छोटा बच्चा

भी है, जो हमास आतंकियों की कैद में बंद होने वाला सबसे छोटा बंधक है। पिछले साल नवंबर में हमास ने उन तीनों के मारे जाने की घोषणा की थी, लेकिन इस्राइली सेना ने इन दावों पर कोई पुष्टि नहीं की थी।

परिवार ने बच्चों के अपहरण को बताया मानवता के खिलाफ अपराध

सेना के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि वे शिरी बिबास के लिए चिंतित थे, जिन्हें कैमरे में दक्षिणी गाजा शहर खान यूनिस में कुछ हथियारबंद लोगों से घिरा देखा गया था। उन्होंने मीडिया को बताया कि केफीर बिबास सबसे कम उम्र वाला इस्राइली बंधक है, जिसे उसके पालने से उठा लिया गया था। जब उसे बंधक बनाया गया था, तब वह मुश्किल से नौ महीने का और उसका भाई एरियल महज चार साल का था। उन्होंने बताया कि अगर केफिर बिबास अभी जिंदा होता तो 18 जनवरी को वह एक साल का हो गया होता।

सोमवार को शिरी बिबास के परिवार ने बच्चों के अपहरण को मानवता के खिलाफ अपराध बताया है। उन्होंने कहा, ₹एरियल और केफिर राक्षसी बुराईयों के शिकार हैं। अन्य बंधकों के साथ हमारा पूरा परिवार भी बंधक बन गया है।₹ वहीं इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बच्चों और माताओं के अपहरणकर्ताओं को न्याय के कटघरे तक लाने की कसम खाई है।

इस्राइल ने खाई गाजा को नष्ट करने की कसम

हमास ने इससे पहले बच्चों के पिता यार्देन बिबास का एक वीडियो जारी किया था, जिसे सात अक्तूबर को हमास आतंकियों द्वारा किए गए हमलों में बंधक बना लिया गया था। सात अक्तूबर को हुए हमलों में गिर ओज में सबसे ज्यादा 1,160 लोग मारे गए थे, उनमें से ज्यादातर इस्राइली नागरिक थे।

रूसी पायलट का स्पेन में गोलियों से छलनी शव मिला, पिछले साल गया था यूक्रेन

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से जंग जारी है। इस युद्ध में जहां यूक्रेन तबाह हो गया है। वहीं रूस को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। मॉस्को अभी तक इस युद्ध में अपने बड़ी संख्या में पायलट और लड़ाकू विमान गवां चुका है। इस बीच, रूस के लिए एक बुरी खबर आ रही है। यहां का एक पायलट पिछले साल यूक्रेन गया था, जो हाल ही में स्पेन में एक गैरेज में मरा हुआ मिला। उसका पूरा शरीर गोलियों से छलनी है।

एमआई-8 हेलीकॉप्टर से यूक्रेन गया था

स्पेन की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि स्पेन में एलिकांटे के पास विलाजोयोसा शहर में 13 फरवरी को एक शव मिला, जिसकी पहचान पायलट मैक्सिम कुज्मिनोव के रूप में हुई। उसके पास से यूक्रेन का पासपोर्ट मिला है। हालांकि, वह यहां अलग नाम से रह रहा था। बताया जा रहा कि पिछले साल अगस्त में कुज्मिनोव अपने एमआई-8 हेलीकॉप्टर से यूक्रेन गया था।

मौत का कारण साफ नहीं

यूक्रेन के गुर सैन्य खुफिया के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पायलट कुज्मिनोव की स्पेन में मौत हो गई है। हालांकि मौत का कारण साफ नहीं किया है। यहां के एक अखबार ने खबर दी है कि उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

स्पेन की पुलिस ने पुष्टि की है कि शहर में एक व्यक्ति का शव मिला है, जिसे गोली मारी गई है। हालांकि, उन्होंने

हूतियों ने फिर बनाया वाणिज्यिक जहाज को निशाना, जान बचाने के लिए चालक दल ने लाल सागर में छोड़ा जहाज

वॉशिंगटन। इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर लगभग दो दर्जन हमले हो चुके हैं। यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर हूतियों ने एक वाणिज्यिक जहाज पर हमला कर दिया, जिससे चालक दल ने जहाज को लाल सागर में ही छोड़ दिया। बता दें, पिछले साल शुरू हुए हमले के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी चालक दल को जहाज छोड़कर निकलना पड़ा हो।

अमेरिका ने दी जानकारी

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि हूती आतंकवादी नियंत्रित क्षेत्रों से दो एंटी शिप बैलिस्टिक मिसाइलों को छोड़ा गया, जिससे बेलीज के झंडे वाला रूबिमार

क्षतिग्रस्त हो गया। जहाज के चालक दल ने तुरंत एक इमरजेंसी कॉल की। एक युद्धपोत और एक अन्य व्यापारी जहाज सहायता के लिए पहुंचे और चालक दल को वहां से बचाकर बंदरगाह पर ले गए।

पिछले साल से बड़े हैं हमले

बता दें, नवंबर के बाद से ही हूतियों ने व्यापारी बेड़े पर अपने हमलों को बढ़ा दिया है। ईरान समर्थित समूह का कहना है कि वे इस्राइल, अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। दरअसल, हूती गाजा में युद्ध और पश्चिमी हवाई हमलों को रोकने की मांग कर रहे हैं।

जहाज डूब गया या बचा?

बता दें कि रूबीमार एक छोटा मालवाहक जहाज है। इक्वैसिस अंतरराष्ट्रीय समुद्री डेटाबेस के अनुसार, इसका रजिस्टर्ड मालिक इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में है।

हूती विद्रोहियों का कहना है कि एक अज्ञात ब्रिटिश जहाज पर हमले के बाद वह पूरी तरह डूब गया।

हालांकि इस दावे को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका। दरअसल, सेंटकॉम ने अपने बयान में यह नहीं बताया कि रूबीमार डूब गया था या नहीं और वहीं जहाज के मालिक ने भी इस पर कोई जवाब नहीं दिया।

सामने वाले हिस्से पर हमला

लेबनान में जीएमजेड शिप मैनेजमेंट कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हूतियों ने जहाज के इंजन रूम और सामने वाले हिस्से पर हमले किया। हालांकि, क्रू मेंबर्स के घायल होने की भी कोई जानकारी नहीं है, जिन्हें जिबूती ले जाया जा रहा था।

शादी के लिए युवक को चाहिए थी चमकती मुस्कान, दांतों की सर्जरी के दौरान गई जान; जानें पूरा मामला

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक युवक को शादी से पहले बस एक चमकती मुस्कान चाहिए थी। इसके लिए वह दांतो के अस्पताल में गया। लेकिन सर्जरी के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद अब परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 28 वर्षीय लक्ष्मी नारायण विंजाम के रूप में हुई है। वह 16 फरवरी को हैदराबाद के जुबली हिल्स में एफएमएस इंटरनेशनल डेंटल क्लीनिक में 'स्माइल डिजाइनिंग' के लिए गया था। लेकिन सर्जरी के दौरान उसकी मौत हो गई। लक्ष्मी नारायण के पिता रामुलु ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे की मौत एनेस्थीसिया की ओवरडोज से हुई है।

रामुलु विंजाम ने बताया कि सर्जरी के दौरान बेटे के बेहोश होने के बाद स्टाफ ने उन्हें फोन कर क्लीनिंक आने को

कहा। इसके वह अपने बेटे को पास के एक अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामुलु ने कहा कि उनके बेटे ने सर्जरी के बारे में उन्हें नहीं बताया था और उसे स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत नहीं थी। उसकी मौत के लिए डॉक्टर जिम्मेदार हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जुबली हिल्स के स्टेशन हाउस ऑफिसर के वेंकटेश रेड्डी ने बताया कि लक्ष्मी नारायण बीते शुक्रवार की दोपहर करीब ढाई बजे क्लीनिक आए थे। शाम करीब साढ़े चार बजे उन्हें ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। करीब दो घंटे तक प्रक्रिया चली। शाम करीब सात उन्होंने पिता को बुलाया और लक्ष्मी नारायण को जुबली हिल्स के अपोलो अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। लक्ष्मी नारायण की एक हफ्ते पहले ही सगाई हुई थी और अगले महीने उसकी शादी होने वाली थी।

नवलनी की मौत के लिए पत्नी यूलिया ने ठहराया पुतिन को जिम्मेदार, कहा- अपने देश के लिए लड़ना जारी रखूंगी

मॉस्को। दिवंगत रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की विधवा पत्नी यूलिया नवलनाया ने अपने पति की मौत के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, एलेक्सी नवलनी की मौत जेल में संदिग्ध तरीके से हुई थी। यूलिया ने पुतिन पर आरोप लगाते हुए आजाद रूस के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने की कसम खाई है।

नवलनी की मौत के लिए पुतिन को ठहराया जिम्मेदार

यूलिया ने रूसी अधिकारियों पर अपने पति का शव छिपाने का भी आरोप लगाया है, जिससे कि उनके शरीर से नोविचोक नर्व एजेंट के निशान गायब हो सकें। सोमवार को एक नौ मिनट का वीडियो जारी करते हुए यूलिया ने कहा, 'तीन दिन पहले व्लादिमीर पुतिन ने मेरे पति एलेक्सी नवलनी की हत्या कर दी। एलेक्सी की हत्या के साथ ही पुतिन ने मुझे, मेरे दिल को और मेरी आत्मा को भी आधा मार दिया है। लेकिन मेरे पास अभी भी आधा हिस्सा बचा हुआ है, जो मुझे यह बताता है कि मुझे अभी हार नहीं मानना है। मैं एलेक्सी के कम को जारी रखूंगी और अपने देश के लिए लड़ना जारी रखूंगी।'

यूलिया ने आगे कहा, 'मैं एक स्वतंत्र रूस में रहना चाहती हूं। मैं स्वतंत्र रूस बनाना चाहती हूं। मेरी आपसे विनती है कि आप मेरे साथ खड़े रहें। मैं आपसे आपके गुस्से को साझा करने के लिए कह रहीं हूं। उन लोगों के प्रति गुस्सा और नफरत है, जिन्होंने हमारे भविष्य को खत्म करने का साहस किया है।'

पत्नी ने की यूरोपियन अधिकारियों से मुलाकात

सोमवार को यूलिया ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुई थी। इस बैठक में उन्होंने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स माइकल से मुलाकात की। रविवार को वह यूरोपीय संघ के शीर्ष अधिकारी जोसेफ बोरेल से भी मिली।

एलेक्सी नवलनी की शुक्रवार को 47 वर्ष की आयु में मॉस्को से लगभग 1900 किमी उत्तर-पूर्व में आर्कटिक सर्कल के उत्तर में एक शहर खारप में आईके -3 अधिकतम सुरक्षा जेल कॉलोनी में मृत्यु हो गई। उन्हें उग्रवाद के आरोपों पर 19 साल की सजा मिली थी। उनकी मृत्यु के तीन दिन बाद भी उनके परिवार को उनका शव देखने की इजाजत नहीं दी गई है।

उनके शव को रासायनिक जांच के लिए भेजा गया है और इस वजह से उनके परिजनों को शव के लिए 14 दिन का इंतजार करना पड़ेगा। नवलनी की मौत की खबर सुनकर हजारों की संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि भी दी है।

स्पीकर ओम बिरला बोले- महिलाओं को आगे बढ़ाकर और सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने से ही देश बनेगा महान

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा है कि सामाजिक कुरीतियां देश को आगे बढ़ने में बाधा का काम करती हैं। महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में बढ़ावा देकर और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त कर ही देश को विकास की गति पर आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक कुरीतियां किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती होती हैं, जिससे पार पाने के लिए समाज के संतों की भूमिका प्रमुख होती है।

ओम बिरला बंजारा समाज के आराध्य संत सेवालाल जी महाराज की 285 वीं जयंती पर दिल्ली में आयोजित

एक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत सेवालाल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कुरीतियों को समाप्त करने और मानव कल्याण की दिशा में काम किया। उनके कार्य सदैव प्रेरणा के समृद्ध स्त्रोत रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि बंजारा समुदाय अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने में सदैव अग्रणी रहा है।

पोंजी घोटाला मामले में उड़ककी छापेमारी, कोलकाता में दो ठिकानों की तलाशी; जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2021 के पोंजी घोटाले मामले में पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित दो स्थानों में छापेमारी की। मामले से जुड़े अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने दिसंबर 2022 में अमल भट्टाचार्य और उनकी कंपनी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। मामले में जांच जारी है। मंगलवार को सुबह शुरू हुई छापेमारी, सीबीआई की जांच का एक हिस्सा है।

क्या है मामला

यूनिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड

के खिलाफ जांच तब शुरू हुई, जब उसके एजेंट एक डिप्टी मजिस्ट्रेट के पास पहुंचे और दावा किया कि उन्हें पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में जमीन के कुछ हिस्से बेचने के नाम पर लोगों से पैसे जुटाने का काम सौंपा गया है।

सीबीआई को जांच के सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे आदेश

इस बीच, मामले में एजेंटों ने आरोप लगाया कि कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक(आरबीआई) या सरकारी प्राधिकरण के बिना एक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी की तरह काम कर रही थी। मामले की गंभीरता को देख डिप्टी मजिस्ट्रेट ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिए थे। जिसे बाद में पोंजी घोटालो मामलों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने मामलों पर जांच शुरू की थी।

भारत ने फिर दिखाई दरियादिली, गरीबी और भूख से निपटने के लिए क्इरअ फंड को दिए 10 लाख डॉलर

नई दिल्ली। भारत एक ऐसा देश है, जो कभी भी किसी की मदद करने से पीछे नहीं हटता था। वह जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा आगे खड़ा रहा है। इसी क्रम में, उसने गरीबी और भूख से निपटने के लिए 10 लाख डॉलर का योगदान दिया है। यह दान भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका द्वारा चलाए जा रहे एक फंड में दिया गया है।

रुचिरा कंबोज ने सौंपा चेक

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका गरीबी एवं भूख उन्मूलन (क्इरअ) फंड के योगदान के रूप में संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय (वठडररउ) की निदेशक दीमा अल-खातिब को सोमवार को 10 लाख डॉलर का चेक सौंपा।

भारत का ध्यान लोगों के विकास पर

कंबोज ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता का ध्यान 'लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए विकास' पर था। उन्होंने कहा कि भारत आईबीएसए फंड का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि हम मानते हैं कि फंड ने ग्लोबल साउथ में लाखों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इसके अलावा, दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को मजबूत किया है।

हर साल देते हैं 10 लाख डॉलर

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका आईबीएसए फंड में हर साल 10 लाख डॉलर का योगदान करते हैं।

अभी तक इतना योगदान

वर्ष 2004 में आईबीएसए फंड की स्थापना और साल 2006 में काम शुरू होने के बाद से अबतक इस फंड में भारत 1.8 करोड़ डॉलर से अधिक का दान दे चुका है। संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय इस फंड के फंड मैनेजर और सचिवालय के रूप में कार्य करता है।

क्या है आईबीएसए फंड का काम

क्इरअ फंड उन परियोजनाओं का समर्थन करता है, जिनका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और एचआईवी/एड्स को संबोधित करने के लिए, सुरक्षित पेयजल तक पहुंच प्रदान करना है। इस फंड ने ग्लोबल साउथ के 37 देशों में 45 परियोजनाओं का समर्थन करते हुए अब तक 50.6 करोड़ डॉलर आवंटित किए हैं।

तीन परियोजनाओं को दी मंजूरी

इस साल, आईबीएसए फंड ने पहले ही तीन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिनमें दक्षिणी बेलीज में माइक्रो-ग्रिड का उपयोग करके ग्रामीण विद्युतीकरण, दक्षिण सूडान में सतत कृषि को चलाने के लिए महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाना और फलस्तीन में कृषि-व्यवसाय विकास में निवेश शामिल हैं।

पिछले महीने हुई थी बैठक

यूएनओएसएससी ने कहा कि फंड के निदेशक मंडल की पिछले महीने यहां बैठक हुई, जिसमें बेलीज, फलस्तीन और दक्षिण सूडान के लिए 30 लाख डॉलर के नए वित्तपोषण के तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसने 2024 में शुरू होने के लिए माली में एक परियोजना के डिजाइन को भी मंजूरी दी।

रायबरेली पहुंची राहुल की न्याय यात्रा, जनता से बोले- डरना नहीं है जाति जनगणना के लिए लड़ना है

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा रायबरेली पहुंच गई है। रायबरेली में उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि डरना नहीं है। जाति जनगणना के लिए लड़ना है। जब तक जाति जनगणना नहीं होगी तब तक 73 फीसदी लोगों को पोस्टर लेकर सड़क पर भटकना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि ओबीसी और दलितों के हक पर डाका डाला जा रहा है। यही वजह है कि दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों की कहीं भी भागीदारी नहीं है। उन्होंने 69000 शिक्षकों की भर्ती से जुड़े अभ्यर्थी को मंच पर बुलाकर समस्या पूछी और उसी के बहाने अपना पूरा वक्तव्य दलित और पिछड़ों पर केंद्रित किया।

मां सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा सांसद का परचा भरने के बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि गांधी परिवार का ही कोई सदस्य रायबरेली से लोकसभा का चुनाव लड़ेगा। इस बीच सोनिया ने अपनी संसदीय क्षेत्र की जनता को भावुक पत्र भी लिखा था। भावुक पत्र मिलने के बाद से आमजन भी चाह रहे हैं कि गांधी परिवार का ही कोई सदस्य यहां से चुनाव लड़े।

न्याय यात्रा फुरसतगंज अमेठी से रायबरेली जिले में प्रवेश करेगी। संदी चौराहा से राही, मलिकमऊ, मोटल चौराहा, सिविल लाइन, डिग्री कॉलेज चौराहा, हाथी पार्क, चंदापुर होते हुए न्याय यात्रा सुपर मार्केट पहुंचेगी। सभी स्थानों पर स्वागत होगा। यहां राहुल गांधी जिले की जनता को संबोधित करेंगे।

सुपर मार्केट के कार्यक्रम के बाद यात्रा घंटाघर, कैपरगंज, कहारो का अड्डा, जहानाबाद, गल्लामंडी से होते हुए लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर रतापुर पहुंचेगी। त्रिपुला, गंगागंज, हरचंदपुर, कुंदनगंज में स्वागत के बाद कन्नावा मोड़ पर राहुल गांधी असंगठित श्रमिकों से संवाद करेंगे। बछरावां के बाद टोल प्लाजा पार करके भारत जोड़ो न्याय यात्रा लखनऊ में प्रवेश करेगी। यात्रा के स्वागत को लेकर तैयारियां पूरी कर ली

यमुना एक्सप्रेसवे पर ट्रक में पीछे से घुसी बाइक, दो की मौत; दोस्त के साथ साले की शादी से लौट रहा था घर

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में सोमवार की रात बाइक सवार ट्रक में पीछे से घुस गए। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। युवक साले की शादी से वापस लौट रहा था। यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसा हो गया। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है।

हादसा खंदौली थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर 158वें किलोमीटर पर हुआ। मूल रूप से मथुरा के जैत थाना क्षेत्र के तेहरा गांव निवासी मोहन सिंह (35) अपने साले की शादी थी। इसमें शामिल होने के लिए कलाल खेरिया गांव गया था। उसके साथ उसका दोस्त राजकुमार लोधी (36) भी था। शादी में शामिल होने के बाद सोमवार की रात करीब दस बजे दोनों वापस घर लौट रहे थे।

यमुना एक्सप्रेसवे पर 158वें किलोमीटर के पास सामने जा रहे ट्रक चालक ने ब्रेक लगाई। इससे बाइक ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में राजकुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि मोहन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे टोल प्लाजा की एंबुलेंस से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ट्रक चालक मौके से फरार

इलाज के दौरान मोहन की भी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस व टोल अर्थॉरिटी की सुरक्षा पेट्रोलिंग ने क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कराया। पुलिस गाड़ियों को थाने पर खड़ा कराया।

ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि परिजन को सूचना दी गई है।

स्वामी प्रसाद ने सपा की प्राथमिक सदस्यता और एमएलसी पद से दिया इस्तीफा, बोले- अपनी पार्टी के लिए काम करूंगा

लखनऊ। सपा से नाराज चल रहे स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ ही विधान परिषद सदस्य के पद से भी इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे गए पत्र में कहा कि 13 फरवरी को भेजे गए पत्र पर वार्ता के लिए पहल न करने पर इस्तीफा दे रहा हूं।

स्वामी प्रसाद ने विधान परिषद के सभापति को पत्र में लिखा कि मैं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में विधानसभा, उत्तर प्रदेश निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश निर्वाचित हुआ हूं। चूंकि मैंने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है इसलिए नैतिकता के आधार पर विधान परिषद उत्तर प्रदेश की सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहा हूं।

इस्तीफा देने के बाद मीडिया से बातचीत में स्वामी प्रसाद ने कहा कि अखिलेश यादव रास्ते से भटक गए हैं। वो खुद को सेकुलर कहते हैं पर ऐसा लगता है कि वह मनुवादी व्यवस्था का समर्थन करते हैं। हमारा उनसे मतभेद है, मनभेद नहीं है। जब भी वह सही रास्ते पर आएंगे। मैं उनका स्वागत करूंगा। मैंने कभी भी विचारधारा से समझौता नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ऐसे सेकुलर हैं कि पार्टी कार्यालय में पूजा करवा रहे हैं।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने कभी संविधान की भावना के विपरीत व्यवहार नहीं किया। सपा वाले पार्टी कार्यालय में पूजा कर रहे है। उन्होंने प्रोफेसर राम गोपाल यादव पर हमलावर होते हुए कहा कि सपा की खटिया खड़ी करने के लिए घर में ही लोग मौजूद हैं। दूसरों की क्या जरूरत है। उनकी भाषा देखिए क्या ये एक राजनीतिक व्यक्ति की भाषा है।

अफजाल अंसारी की खुली चुनौती, ऐतिहासिक होगी लड़ाई, जनता की भावनाओं की होगी जीत

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी ओर से गाजीपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद सांसद अफजाल अंसारी ने पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि पूरा पूर्वांचल देख रहा है कि किस तरह से हमारे परिवार के साथ षड्यंत्र करके सरकार की मशीनरी का दुरुपयोग करके झूठे मुकदमें में फंसा कर हमें ही नहीं हमारे परिवार के बच्चों को अपमानित किया जा रहा है। बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है लेकिन, इसके बाद भी गाजीपुर की गरीब जनता का सहानुभूति हमारे साथ है। आज जनता का साथ न होता तो मैं अपने साथ पांच गाड़ी भी नहीं चला सकता। चुनाव में जनता हमे जीतने के लिए अपनी जेब से खर्च करेगी। वह युसूसफपुर फाटक स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बसपा-सपा के कार्यकताओं के साथ बूथ स्तर के कार्यकताओं के साथ काम किया। हमें गर्व है जुर्म और अत्याचार के खिलाफ एक प्रतीक बन चुका है ये परिवार और अफजाल अंसारी। कहा कि गठबंधन से जो लहर थी उस लहर से अच्छी लहर इस बार होगी। इस बार की लड़ाई इतिहास बनेगी, जनता चाहती की मैं न झुकूं। कहा कि जो पूंजीपति बुरे दिन में दिखाई नहीं देते हैं, हम उनको भी धन्यवाद करते हैं। कहा कि जाति, धर्म के बंधनों से ऊपर उठकर इस बार जनता वोट करेगी। हम देश के लिए खून बहाने वाले भक्त हैं।

'गाजीपुर के गरीब अफजाल अंसारी के साथ हैं'

कहा कि गाजीपुर के गरीब अफजाल अंसारी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने देश की आजादी के लिए कुबार्नी दी है। बिग्रेडियर उस्समान शहीद हो गए और महावीर चक्र मिला और आज उस परिवार को अपमानित किया जाता है। मनोज सिन्हा चुनाव हारने के बाद जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल बनाए जाते हैं, जबकि सरकार जीतने वालों को अपमानित और प्रताड़ित करती है।

सार सुर्खिया

महिला सहित दो की अचानक बिगड़ी तबीयत, हुई मौत, परिवार में छाया मातम

हाथरस। हाथरस जिले के अलग-अलग स्थानों पर एक महिला सहित दो लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इस पर परिजन उन्हें उपचार के लिए शहर के बागला संयुक्त जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के गांव सोखना निवासी 50 वर्षीय अनूप सिंह पुत्र सुजान सिंह 20 फरवरी की सुबह एकाएक तबीयत बिगड़ गई। इसी थाना क्षेत्र के मोहल्ला श्रीनगर निवासी 40 वर्षीय हसीना बेगम पत्नी दिलशाद की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। अनूप सिंह व हसीना बेगम को इलाज के लिए शहर के बागला संयुक्त जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों की मौत से परिवार में मातम छा गया है। परिजनों ने जिला अस्पताल में ही करुण क्रंदन शुरू कर दिया। रोते-बिलखते हुए परिजन शव को घर ले गए।

लाइसेंसधारी महिला की मौत, पति और बेटे ने थाने में जमा नहीं की रायफल, दरोगा ने दर्ज कराया केस

मुरादाबाद। मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में रहने वाली लाइसेंसधारी महिला की मौत के बाद उसके पति और बेटे ने रायफल थाने में जमा नहीं की। लाइसेंस निरस्त होने का नोटिस भी पिता-पुत्र को भेजा गया था। इस मामले में पाकबड़ा थाने में दरोगा ने पूर्व प्रधान पति और उसके बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पाकबड़ा के गांव में मौढ़ा तैय्या निवासी पूर्व प्रधान दीपक शर्मा की पत्नी नीतू शर्मा के नाम रायफल का लाइसेंस था। छह माह पहले महिला की मृत्यु हो चुकी है। महिला के वारिसान दीपक और बेटे कुशाग्र ने रायफल को अब तक थाने या दुकान में जमा नहीं किया है।

बेटा कुशाग्र अमरोहा के मोहल्ला कटरा गुलाम में रहता है। रिपोर्ट दर्ज कराने वाले दरोगा संजय त्यागी का कहना है कि दीपक शर्मा के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। नियम के अनुसार असलहे को थाने या दुकान में जमा करना होता है।

लाइसेंस निरस्त करने के लिए डीएम को रिपोर्ट भेजी गई थी। इस रिपोर्ट के आधार पर डीएम ने नीतू शर्मा के नाम जारी रायफल का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। दीपक शर्मा और उसके बेटे कुशाग्र को नोटिस भेज दिया गया। बावजूद इसके अब तक पिता-पुत्र ने रायफल थाने या दुकान पर जमा नहीं की है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर पिता-पुत्र के खिलाफ अवैध रुपये हथियार रखने में केस दर्ज किया गया है।

खेत पर पड़ी मिली किसान की लाश, सिंचाई करने गया था...फिर कभी नहीं लौटा, पुलिस कर रही जांच

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में सोमवार की रात खेत में पानी लगाने के लिए गए किसान की मौत हो गई।

परिजन ने सुबह खेत पर जाकर देखा तो शव पड़ा हुआ था। मौत का सही कारण जानने के लिए परिजन ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटना बेवर थाना क्षेत्र के गांव टोडरपुर की है। गांव निवासी किसान भारत सिंह (45) सोमवार की रात खाना खाकर अपने खेत में पानी लगाने गए थे। रात को वह घर वापस नहीं लौटे तो परिजन ने सोचा कि वहीं पर सो गए होंगे। सुबह होने के बाद भी जब भारत घर नहीं लौटे तो परिजन परेशान हो गए।

माघ माह की एकादशी पर ब्रज में उमड़ी भीड़, भक्तों ने बिहारीजी संग खेली होली

आगरा। मथुरा में माघ माह की एकादशी पर मंगलवार को कान्हा के ब्रज में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिरों में धार्मिक आयोजन हुए। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रही। सुबह भक्तों ने बांके बिहारी के साथ होली भी खेली। भक्तों ने परिक्रमा भी लगाई। वृंदावन की गलियां राधे-राधे के जयकारों से गूंजती रहीं।

मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में सुबह आराध्य के दर्शन के लिए भक्त पहुंचे। यहां ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया। प्राचीन केशवदेव मंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ ठाकुरजी के श्रीविग्रह का अभिषेक किया गया। गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग पर भी श्रद्धालुओं के कदम नहीं रुके। परिक्रमा मार्ग दिनभर ठाकुरजी के जयकारों से गुंजायमान होता रहा। तीर्थनगरी के अन्य मंदिरों में भी भीड़ रही। दिल्ली-हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए आए हैं। इससे प्रेम मंदिर तिराहा, विद्यापीठ चौराहा, सौ फुटा रोड एंट्री प्वाइंट और अटल्ला समेत कई मार्ग पर जाम के हालात रहे।

इधर, गिरिराजजी के जयकारों से तलहटी गूंज उठी। हजारों भक्तों ने परिक्रमा लगाई। आधी रात से ही भक्तों ने दानघाटी मंदिर में गिरिराजजी का दुग्धाभिषेक कर परिक्रमा लगाना शुरू कर दिया।

डांस के दौरान विवाद के बाद बरातियों पर हमला, दूल्हा समेत 20 घायल, दुल्हन हुई बेहोश

शाहजहाँपुर। शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र में सोमवार की रात एक गांव में आई बरात में डांस के दौरान बवाल हो गया। युवक से विवाद होने के बाद रात करीब डेढ़ बजे आरोपी पक्ष के कुछ लोगों ने बरातियों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने बरातियों ने घेरकर पीटा। तोड़फोड़ भी की गई। घटना में दूल्हे, उसका का बड़ा भाई, दुल्हन की मां समेत करीब 20 लोग घायल हो गए। हमले की सूचना पर दुल्हन बेहोश हो गई। घायलों और दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है।

तिलहर क्षेत्र के बरुआ गांव निवासी प्यारेलाल की बेटी लीलावती की बरात निगोही से आई थी। समारोह के दौरान डीजे बजाया जा रहा था, जिसे लेकर गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया प्यारेलाल ने बीच-बचाव करते हुए डीजे को बंद कर दिया। आरोप है कि गांव के ही कुछ युवक रात में पंडाल में लाठी-डंडे और असलाह लेकर आ गए और बरातियों पर हमला कर दिया।

बरातियों को घेरकर पीटा

हमलावरों ने बरातियों को घेरकर पीटा, जिससे 18 बराती घायल हो गए। हमले में दूल्हे के बड़े भाई का सिर फट गया और दुल्हन की मां भी घायल हो गई। दूल्हा भी घायल हुआ है। हमलावर लगभग आधे घंटे तक तांडव करते रहे। बरातियों की दो बाइकों को तोड़ दिया। टेंट को तहस नहस कर दिया। आरोप है कि हमलावर दूल्हा पक्ष द्वारा लाए गए सामान से भरा संदूक भी लूट ले गए।

मां के चोट लगने से दुल्हन हुई बेहोश

बरातियों की पिटाई के समय दुल्हन लीलावती की मां द्रौपदी बीच बचाव करने आई। हमलावरों ने द्रोपदी की भी पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गई।

सीएम धामी ने मंत्रिमंडल सहित रामलला के दर्शन किए, बोले- मोदी-योगी के नेतृत्व में राम युग शुरू हुआ

लखनऊ। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद रामलला अपने जन्म स्थान पर भव्य मंदिर में विराजित हुए हैं। यह विश्व के प्रत्येक सनातनी की भावनाओं की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस कालखंड में फिर से राम युग का आरंभ हुआ है।

मुख्यमंत्री धामी ने मंगलवार को मंत्रिमंडल के अपने सहयोगियों के साथ रामलला के दर्शन किए। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि जब वह लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते थे तब कई बार अयोध्या आए। उस समय यहां पर भगवान रामलला को टेंट में विराजे देखकर भावुकता होती थी। आज गर्व का अनुभव हो रहा है। टेंट से रामलला भव्य महल में विराजमान हो चुके हैं।

धामी ने बताया कि अयोध्या में उत्तराखंड सदन का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी से जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। उत्तराखंड और अयोध्या धाम का आपस में बहुत गहरा संबंध है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बड़ी संख्या में वहां के लोग यहां प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए आएंगे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बोले - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी का कायाकल्प कर दिया

लखनऊ। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीएम योगी ने सात-आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश का चित्र बदला, यहां की दिशा और दशा भी बदली। आज सामाजिक न्याय दिवस है। यह तब तक अधूरी है, जब तक समाज के हर वर्ग व व्यक्ति तक विकास न पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने इन सात-आठ वर्षों में यूपी का कायाकल्प किया है, लेकिन यह एक वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और लखनऊ के बारे में बातचीत कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व व पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में तेज गति से बदलाव का आनंद लिया है। उत्तर प्रदेश अब रुकने और थमने वाला नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश-निवेश प्रदेश के तहत मेन हैंगर में आयोजित एफडीआई कॉन्क्लेव 'यूपी-इमर्जिंग डेस्टिनेशन फॉर फॉरेन इनवेस्टमेंट इन इंडिया' को संबोधित किया।

ये भी पढ़ें - स्वामी प्रसाद ने सपा की प्राथमिक सदस्यता और एमएलसी पद से दिया इस्तीफा, बोले- अपनी पार्टी के लिए काम करूंगा

ये भी पढ़ें - राहुल गांधी को जमानत मिलीः 25-25 हजार के दो बेल बांड भरे, गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी का है मामला

निवेशक तभी आता है, जब उसे नेतृत्व-व्यवस्था व भविष्य पर विश्वास हो

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी निवेशक जब निवेश करने का निर्णय लेता है तो उसके सामने सबसे बड़ी शर्त होती है विश्वास। निवेशक तभी आता है जब उसे नेतृत्व, व्यवस्था और भविष्य पर विश्वास हो। जब यह तीनों विश्वास निवेशक को मिलते हैं तो वह प्रदेश में आने को तैयार होता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और 25 करोड़ लोगों को भी आत्मविश्वास मिलता है कि हमारा भी भविष्य उज्ज्वल होगा। गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया के सामने मिसाल के तौर पर आत्मविश्वास से भरे हुए 140 करोड़ लोग निकल पड़े हैं तो सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी का एक-एक व्यक्ति आत्मविश्वास के साथ कर्तव्य को निभा रहा है। यूपी में सुशासन देखने को मिलता है। गरीब कल्याण, नए इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने में केंद्र व राज्य सरकार डबल इंजन बनकर तेज गति दे रही है। अब उत्तर प्रदेश रुकने और थमने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में विश्व भर में भारत व यूपी की प्रसिद्धि हो रही है। आज पूरा विश्व भारत की तरफ देखता है कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। वैसे ही देश देखता है कि उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में बड़ा योगदान देगा।

2017 से पहले यूपी की कानून व्यवस्था से सभी भलीभांति अवगत हैं

गोयल ने कहा कि जब निवेश की बात होती है तो देश के साथ जुड़े तीन-चार प्रमुख विषयों पर निवेशक का ध्यान आकर्षित होता है। वो देखता है कि देश में किस प्रकार की अर्थव्यवस्था है। क्या देश मजबूत स्थिति में है। क्या देश की अर्थव्यवस्था अच्छे तरीके से संभाली जा रही है। देश के पास पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी या नहीं। उत्तर प्रदेश की व्यवस्था देखें तो 2017 के पहले यहां की कानून व्यवस्था से भलीभांति सभी अवगत हैं। 2017 के पहले भेदभाव की राजनीति थी, व्यवस्थाएं चरमरा रही थीं। राज्य की अर्थव्यवस्था कमजोर थी, जिसके कारण नया निवेश, नया उद्योग न के बराबर थे। चीनी मिलें बंद पड़ी थीं। किसानों की हालत बहुत कमजोर हो गई थी। इंफ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि नहीं हो रही थी। रेलवे प्रोजेक्ट ठप पड़े थे। इनलैंड वाटर, मल्टीलेवल ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी, एयरपोर्ट आदि व्यवस्थाएं कमजोर स्थिति में थीं।

मोदी-योगी के नेतृत्व में हुए कई रिफॉर्म

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी ने देश व 2017 में योगी ने उप्र की कमान संभाली।